www.dainikjayantnews.com
देहरादून
सोमवार : 13 जुलाई 2026
वर्ष: 17
अंक: 74 पृष्ठ: 8
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोन: 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

संक्षिप्त समाचार

अगले साल से पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली बुलेट ट्रेन

- केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कर दी है बड़ी घोषणा

हैदराबाद (एजेंसी)। भारत में बुलेट ट्रेन जल्द ही पटरी पर दौड़ेगी। केंद्रीय रेल मेंत्री अश्विनी वैष्णव ने शनिवार को घोषणा की कि मुंबई और अहमदाबाद के बीच पहली बुलेट ट्रेन का निर्माण कार्य चल रहा है। उन्होंने कहा कि बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन अगले साल शुरू किया जाएगा। अश्विनी वैष्णव ने कहा कि अगले साल, हम

मुंबई-अहमदाबाद रूट पर सूरत और बिलिमोरा के बीच बुलेट ट्रेन का पहला सेक्शन शुरू करेंगे। इसके बाद, एक-एक करके, हम वापी से सूरत, फिर वापी से अहमदाबाद, फिर अहमदाबाद से ठाणे और फिर अहमदाबाद से मुंबई तक का काम पूरा करेंगे। रेल मंत्रालय ने वैष्णव के बयान का एक वीडियो पोस्ट किया और उसके साथ मंत्री का एक कोट भी लिखा।

अमेरिका के हवाई हमले के बाद भड़का ईरान

- गालिबाफ बोले-एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका

तेहरान (एजेंसी)। ईरान और अमेरिका के बीच हवाई हमले बढ़ गए हैं। टकराव की रफ्तार में इजाफा पूरी दुनिया के लिए चिंता की वजह बना हुआ है। इस बीच ईरानी संसद के स्पीकर मोहम्मद बाघेर गालिबाफ ने स्पष्ट किया कि अब एकतरफा समझौतों का दौर खत्म हो चुका है।

अपने कड़क और तीखे तेवरों के लिए पहचाने जाने वाले गालिबाफ ने सोशल मीडिया पोस्ट एक्स पर लिखा,हमने पहले ही कहा था- वादा निभाओ, नहीं तो कीमत चुकाओ। अब हकीकत सामने है। उन्होंने अपनी पोस्ट के साथ अमेरिका-ईरान समझौता मसौदे के अनुच्छेद-5 की तस्वीर भी साझा की। यह अनुच्छेद होर्मुज स्ट्रेट को दोबारा खोलने से जुड़ा है। इसी को लेकर विवाद बढ़ा और उसने फिर से सैन्य टकराव का रुख अख्तियार कर लिया है।

संसद सत्र से पहले सरकार ने बुलाई सर्वदलीय बैठक

- विपक्ष के साथ आने वाले बिलों को लेकर होगी चर्चा

नई दिल्ली (एजेंसी)। संसद का मानसून सत्र 20 जुलाई से शुरू हो रहा है। इससे पहले ठीक एक दिन पहले सरकार 19 जुलाई को सर्वदलीय बैठक करने जा रही है। बैठक में इस सत्र के दौरान होने वाली महत्वपूर्ण चर्चा की योजना को लेकर बातचीत की जा सकती है। सर्वदलीय

बैठक में सरकार विपक्ष को यह भी बताएगी कि इस सत्र में कौन से बिल पेश किए जा सकते हैं। संसद सत्र के एक दिन पहले यानी 19 जुलाई को होने वाली सर्वदलीय बैठक का समय सुबह 11 बजे निर्धारित किया गया है। दरअसल, सरकार मानसून सत्र को सुचारु रूप से संचालित करना चाहती है। इसलिए वह अलग-अलग सियासी दलों के नेताओं के साथ एजेंडे को लेकर चर्चा करना चाहती है। सरकार की तरफ से बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में सभी प्रमुख सियासी दलों के नेताओं के साथ-साथ उनके प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जा रहा है। इस बैठक में ही विपक्ष के नेताओं को इस सत्र में आने जा रहे प्रमुख विधयकों की जानकारी दी जाएगी। मीटिंग में विपक्षी दल भी अपने मुद्दे सरकार के सामने रख सकते हैं। इस मानसून सत्र में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों से जुड़े कई विषयों पर चर्चा हो सकती है।

इंफाल में मैतेई लोगों के घरों में भीषण आगजनी

मणिपुर में फिर से भड़की हिंसा, कई घर जलाए

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर की राजधानी इंफाल के पश्चिमी क्षेत्र में मैतेई समुदाय के लोगों के घरों को जलाने की घटना के बाद इलाके में तनाव पैदा हो गया है। आगजनी की इस घटना के बाद पीड़ित समुदाय के करीब 600 लोगों के समूह ने पथराव करना शुरू कर दिया। कांतो सबल इलाके में शनिवार को हुई इस घटना के बाद प्रशासन सक्रिय हो गया और किसी भी स्थिति से निपटने के लिए अतिरिक्त सुरक्षा बल तैनात कर दिए गए हैं। सुरक्षा बलों ने टकराव से बचाव के लिए गश्त बढ़ा दी है और लोगों को एकत्रित नहीं होने दे रहे हैं। बताया गया है कि आगजनी की घटना में ज्यादातर उन घरों में आग लगाई गई जो खाली पड़े थे। इसलिए किसी जनहानि की सूचना नहीं है। पूर्व में हुई हिंसा के चलते उनमें रहने वाले लोग इलाका छोड़कर चले गए थे। विदित हो कि प्रदेश में मैतेई और नगा समुदाय के लोगों के बीच पिछले कई वर्षों से टकराव की स्थिति बनी हुई है। इसमें जन-धन का काफी नुकसान हुआ है।

घटना के बाद पूरे इलाके में तनाव, सुरक्षा सख्त

सुरक्षा बलों ने 30 अवैध बंकर, चौकियां और शिविर ध्वस्त किए

मणिपुर के कांगपोकपी जिले के हिंसा प्रभावित क्षेत्रों में सुरक्षा बलों ने व्यापक तलाशी अभियान चलाकर हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किए हैं। लेइमाखोंग पुलिस थाना क्षेत्र के लेइलों वैफेई, लेइलों खुनौ, एल. मुनलुई और कोन्साखुल गांवों में बुधवार को तलाशी अभियान चलाया गया। इस दौरान 30 अवैध बंकर, चौकियां और शिविर भी ध्वस्त कर दिए गए। एक अधिकारी ने बताया कि लेइलों वैफेई कुकी-जो समुदाय का गांव है, जहां से 13 मई को छह नगा पुरुषों का अपहरण कर लिया गया था। अभियान के दौरान 11 एक नली वाली 12 बोर बंदूकें (एसबीबीएल), 12 बोर बंदूक के 294 कारतूस, बारूद के दो पैकेट, 12 बोर बंदूक के कारतूसों के 34 खाली खोखे तथा छह बुलेटप्रूफ जैकेट बरामद किए गए।

पहलगाम में बादल फटा सड़क बही-खेत बर्बाद

उत्तराखंड के हाइड्रो प्रोजेक्ट के पास लैंडस्लाइड

श्रीनगर (एजेंसी)। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते नदियों का जलस्तर बढ़ गया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में बादल फटने के बाद बाढ़ आई। कई खेत बर्बाद हो गए, सड़क बह गई। उत्तराखंड के विकासनगर में भारी बारिश के कारण लखवाड़ हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट में लैंडस्लाइड हो गई। कई वाहन और मशीनें मलबे में दब गईं। उधर, देश के लगभग 70 फीसदी हिस्से से मानसून के बादल गायब हो गए हैं। राजस्थान, दिल्ली-एनसीआर, पश्चिमी मध्य प्रदेश, गुजरात, महाराष्ट्र में अगले 5 दिन तक बारिश की संभावना भी कम है। बारिश रुकने से मध्य प्रदेश, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश समेत उत्तर भारत के राज्यों में तापमान बढ़ गया। राजस्थान के श्रीगंगानगर में तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सबसे अधिक असर चारधाम यात्रा पर पड़ा।

6 साल बाद फिर शुरू होगा भारत-म्यांमार सीमा व्यापार

- लिपुलेख दर्रे से ट्रेड को लेकर चीन की तैयारी हुई तेज

डिब्रूगढ़/नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और म्यांमार के बीच रिश्तों को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। पैंगसाऊ दर्रे पर भारत और म्यांमार के बीच सीमा व्यापार फिर शुरू होने की तैयारी है। करीब छह साल से अधिक समय से ये बंद चल रहा था। हालांकि, अब दोनों पक्षों के व्यापारिक संगठनों की बैठक के बाद 20 जुलाई को फिर से शुरू होने जा रहा है। फ्री मूवमेंट रिजीम के तहत सीमा-पार व्यापार से बॉर्डर के दोनों ओर 10 किलोमीटर के दायरे में रहने वाले लोगों को स्थानीय व्यापार और सीमा-पार लेन-देन करने की अनुमति मिलती है।

कोविड के दौरान बंद हुआ ट्रेड लिंक

कोविड-19 महामारी के कारण 3 फरवरी, 2020 को बंद किए गए इस ट्रेड लिंक को खोलने का निर्णय लिया गया। ये फैसला स्थानीय व्यापार प्रतिनिधियों और म्यांमार में उनके समकक्षों के बीच 9 जुलाई को अरुणाचल के चांगलांग जिले में व्यापार फिर से शुरू करने की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए हुई बैठक के बाद लिया गया।

पैंगसाऊ दर्रे से शुरू होगा ट्रेड

भारतीय पक्ष के एक स्थानीय व्यापार संगठन के अध्यक्ष जोंगखम मोरांग ने कहा कि हमें उम्मीद है कि इससे महामारी के दौरान खोई हुई आजीविका वापस आएगी। स्थानीय विधायक लैसम सिमाई ने कहा कि सीमा व्यापार के फिर से शुरू होने से बेहतर व्यापारिक अवसर पैदा होंगे। छोटे व्यापारियों और निवासियों की आजीविका में सुधार होगा, जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था को काफी बढ़ावा मिलेगा। बॉर्डर हाट हर महीने की 10, 20 और 30 तारीख को चलेगी। रिपोर्ट के अनुसार, भारत-चीन सीमा व्यापार का मौसम आधिकारिक तौर पर शुरू होने के एक महीने से अधिक समय बाद भी लिपुलेख दर्रे के माध्यम से सीमा-पार व्यापार शुरू नहीं हो पाया है। चीनी अधिकारियों ने भारतीय व्यापारियों से तिब्बत के तकलाकोट में एक नए बाजार और गोदाम का निर्माण पूरा होने तक इंतजार करने को कहा है। कोविड-19 के कारण 2020 में लिपुलेख के माध्यम से सीमा व्यापार को निलंबित कर दिया गया था।

नए बाजार के लिए इंतजार कराया

इस साल की खास बात यह थी कि 2020 में धारचूला-लिपुलेख सड़क के पूरा होने के कारण व्यापारी खच्चरों के बजाय सड़क मार्ग से लिपुलेख तक सामान ले जा सकते थे। हालांकि व्यापार का मौसम आधिकारिक तौर पर 1 जून को शुरू हुआ था, लेकिन भारतीय पक्ष में तैयारियां महीने के अंत तक ही पूरी हो पाई। भारतीय व्यापारियों को 8 जुलाई को दर्रा पार करना था। लेकिन, धारचूला के एसडीएम और ट्रेड ऑफीसर आशीष जोशी ने बताया कि उन्हें 7 जुलाई को अपने चीनी समकक्ष से एक ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि नया मार्केटप्लेस और वेयरहाउस अभी बन रहे हैं और काम पूरा होने तक व्यापारियों को न भेजा जाए।

पीएम के पंजाब दौरे से पहले ट्रेन में खालिस्तानी नारे

आतंकी पन्नू ने वीडियो जारी किया, खालड़ा का भी जिक्र

जालंधर (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पंजाब दौरे से पहले फिरोजपुर कैंट रेलवे स्टेशन का एक वीडियो सामने आया है। यह वीडियो प्रतिबंधित अलगाववादी संगठन सिख फॉर जस्टिस (एसजेएफ) ने जारी किया है। वीडियो में दिल्ली जाने वाली एक ट्रेन के डिब्बों पर खालिस्तान जिंदाबाद और मोदी मुर्दाबाद जैसे नारे लिखे दिखाई दे रहे हैं। एसजेएफ के आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने वीडियो जारी कर पंजाब में आतंकवाद के दौर के मानवाधिकार कार्यकर्ता जसवंत सिंह खालड़ा की विरासत का जिक्र करते हुए कथित एनकाउंटर मामलों को उठाया। हालांकि, हमारा अखबार पन्नू के वीडियो की पुष्टि नहीं करता है।

खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था

खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नू ने कहा कि 90 के दशक में शहीद खालड़ा ने अज्ञात लाशों का ब्यौरा एकत्रित किया था। ये लोग सिख युवा, बुजुर्ग, महिलाएं थे और इनको अज्ञात कहकर मार दिया गया था। जसवंत सिंह खालड़ा ने उनकी बात की थी। वह दौर था सिख नरसंहार का। पन्नू ने कहा ने प्रधानमंत्री मोदी को हिंदुस्तान का आतंकवादी कहा। उसने कहा कि पंजाब में अब आर्थिक नरसंहार किया जा रहा है।

महाराष्ट्र टीईटी पेपर लीक मामले में बड़ा खुलासा

जूतों में छिपाकर बाहर लाया गया था टीईटी का पेपर

आठ हजार रुपए और एक प्लॉट में बिके थे कर्मचारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। महाराष्ट्र में 28 जून 2026 को आयोजित होने वाली शिक्षक पात्रता परीक्षा 2026 पेपर लीक के चलते एक दिन पहले यानी 27 जून को रद्द कर दी गई थी। अब इस परीक्षा को दोबारा आयोजित कराया जाएगा जिसकी नई तारीख का ऐलान होना बाकी है, लेकिन पेपर लीक की जांच के बीच कुछ नए खुलासे हुए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा के उस प्रिंटिंग प्रेस से लीक हुआ था जहां इस पेपर की छपाई होनी थी। बता दें कि यह परीक्षा 28 जून को 1028 सेंटर्स पर आयोजित होनी थी 6 लाख से अधिक उम्मीदवार इस परीक्षा में शामिल होने थे। प्रेस के कर्मचारियों ने सौदा कर लिया था।

गार्ड्स ने चेक नहीं किए थे जूते

रिपोर्ट के मुताबिक, इन कर्मचारियों ने जिन गार्ड्स की आंखों में धूल झोंककर इस पेपर को बाहर निकाला था वह रिटायर्ड आर्मी अफसर थे। उन्होंने कपड़ों की तलाशी तो ले ली थी, लेकिन जूते चेक नहीं किए थे। बता दें कि टीईटी में दो पेपर्स होते हैं, पेपर 1 और पेपर 2 और हर एक के दो सेट प्रिंट किए गए थे ताकि एक सेट रैंडमली उठाया जा सके और एग्जाम के दिन दिया जा सके। चारों सेट जूते में छिपाकर ही बाहर लाए गए थे। रिपोर्ट के मुताबिक, महाराष्ट्र टीईटी का पेपर आगरा की माहिम पेट्रन प्राइवेट लिमिटेड में प्रिंट के लिए लाए गए थे।

जूतों में छिपाकर बाहर लाया गया था पेपर

रिपोर्ट के मुताबिक, 15 और 17 जून के बीच प्रिंटिंग प्रेस के एक एम्प्लॉई ने क्वेश्चन पेपर्स की मुड़ी हुई कॉपियां अपने जूते के सोल के नीचे छिपाकर प्रिंटिंग प्रेस से बाहर निकाली थी। इस दौरान कर्मचारी ने सिक्योरिटी गार्ड की आंखों में धूल झोंककर इस काम को अंजाम दिया था और इसके लिए प्रिंटिंग प्रेस के दो कर्मचारियों को 8 हजार रुपए और 1 प्लॉट देने का वादा किया गया था। इन दोनों कर्मचारियों ने 3 दिन के अंदर यही तरीका अपनाकर क्वेश्चन पेपर्स के सेट को प्रिंटिंग प्रेस से बाहर निकाला था।

दिल्ली एम्स ने 11 पेज की फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंपी

जिम बेल्ट पर मिले ट्विशा शर्मा के स्किन टिश्यू

भोपाल (एजेंसी)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा की मौत मामले में दिल्ली एम्स के मेडिकल बोर्ड ने अपनी अंतिम फॉरेंसिक रिपोर्ट सीबीआई को सौंप दी है। सूत्रों के मुताबिक, रिपोर्ट में कथित तौर पर फांसी में इस्तेमाल हुई जिम बेल्ट पर स्किन टिश्यू मिलने और बेल्ट के निशानों का गर्दन पर मिले लिगेचर मार्क से मेल खाने की बात सामने आई है। हालांकि, रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं की गई है। सूत्रों के अनुसार, दिल्ली एम्स के पांच सदस्यीय मेडिकल बोर्ड ने 11 पेज की अंतिम रिपोर्ट 10 जुलाई को सीलबंद लिफाफे में सीबीआई को सौंप दी। रिपोर्ट की अनुपालन प्रति मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के रजिस्ट्रार जनरल को भी भेजी गई है। मेडिकल बोर्ड ने 24 मई को दूसरा पोस्टमॉर्टम करने के साथ घटना स्थल का निरीक्षण भी किया था। बताया जा रहा है कि हिस्टोपैथोलॉजिकल और अन्य लैब जांच में जिम बेल्ट पर मिले स्किन टिश्यू की पुष्टि हुई है।

रिपोर्ट सार्वजनिक नहीं, सीबीआई करेगी जांच में इस्तेमाल

दिल्ली AIIMS के फॉरेंसिक मेडिसिन विभागाध्यक्ष डॉ. सुधीर गुप्ता ने रिपोर्ट की सामग्री पर टिप्पणी करने से इनकार किया। उनका कहना है कि मेडिकल बोर्ड ने सभी संभावित पहलुओं का वैज्ञानिक मूल्यांकन कर निष्कर्ष तैयार किए हैं। कोर्ट के निर्देशों के चलते रिपोर्ट फिलहाल सार्वजनिक नहीं की गई है।

हाईकोर्ट के आदेश पर हुआ था दूसरा पोस्टमॉर्टम

12 मई की रात भोपाल के कटारा हिल्स स्थित ससुराल में ट्विशा शर्मा संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिली थीं। ससुराल पक्ष ने इसे आत्महत्या बताया था, जबकि मायके पक्ष ने हत्या का आरोप लगाया। शुरुआती जांच और पहले पोस्टमॉर्टम पर सवाल उठने के बाद परिजन ने हाईकोर्ट का रुख किया, जिसके बाद दिल्ली एम्स से दूसरा पोस्टमॉर्टम कराने और बाद में मामले की जांच सीबीआई को सौंपने के आदेश दिए गए।

सीएम सम्राट ने मुजफ्फरपुर को दी 1047 करोड़ की सौगात

आर्किटेक्चर और सिविल इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा

मुजफ्फरपुर (एजेंसी)। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने रविवार को मुजफ्फरपुर जिले को 1047 करोड़ रुपये की सौगात दी। इस मौके पर उन्होंने मुजफ्फरपुर के एमआईटी कॉलेज में आर्किटेक्चर और सिविल इंजीनियरिंग विश्वविद्यालय बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि विकसित भारत का रास्ता विकसित बिहार से होकर गुजरता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार 12 शहरों में पटना के कंकड़बाग की तर्ज पर सैटेलाइट सिटी विकसित करेगी, जिससे शहरी विकास को नई गति मिलेगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जिस स्थान पर छह वर्ष पहले नाले का पानी बहता था, आज वहां का स्वरूप पूरी तरह बदल चुका है और अब वहां लाखों लोग घूमने आएंगे। उन्होंने कहा कि मुजफ्फरपुर के विकास को नई पहचान देने के लिए यहां से एक्सप्रेस-वे भी गुजरेगा। साथ ही बिहार में रैपिड रेल परियोजना पर भी काम किया जा रहा है, जिससे पहले जहां पटना पहुंचने में चार घंटे लगते थे, वहीं भविष्य में यह दूरी करीब 40 मिनट में तय की जा सकेगी।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बलवंत फर्स्वाण को श्रद्धांजलि अर्पित की

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को मोथरोवाला, देहरादून में वरिष्ठ पत्रकार श्री दीपक फर्स्वाण के आवास पर पहुंचकर उनके पिता स्वर्गीय बलवंत फर्स्वाण को श्रद्धांजलि अर्पित की एवं उनके परिजनों से भेंट कर अपनी संवेदनाएं व्यक्त की।

मुख्यमंत्री ने प्रदान की 99 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति

देहरादून। मुख्यमंत्री श्री पुष्कर सिंह धामी द्वारा जनपद नैनीताल के रामनगर के अन्तर्गत ऑटोमेटेड ड्राईविंग टेस्ट ट्रैक के ऑटोमेशन के निर्माण हेतु 3.68 करोड़, कोषागार रूद्रप्रयाग के अनावासीय भवन की मरम्मत, रंग–रोगन, टाईलिंग, पैनलिंग आदि के अनुरक्षण एवं विद्युतीकरण का कार्य कराये जाने हेतु 38.06 लाख, पुलिस संचार प्रशिक्षण केन्द्र, धौरणखास, देहरादून में प्रस्तावित एसटीपी प्लांट (150 केएलडी) का निर्माण तथा साइट विकास हेतु 2.73 करोड तथा बहादराबाद औद्योगिक क्षेत्र में फायर स्टेशन की स्थापना किये जाने हेतु 9.45 करोड़ की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में ककराली टनकपुर से मां पूर्णागिरी धाम तक यात्रा मार्ग में विद्युत विभाग द्वारा स्ट्रीट लाईट लगाये जाने हेतु 5.00 करोड़ की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 2.00 करोड तथा जनपद पिथौरागढ के विधानसभा क्षेत्र डीडीहाट में लोहारगांव में आन्तरिक सम्पर्क मार्ग का निर्माण किये जाने हेतु 70.87 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में

42.52 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में जवाहर नवोदय विद्यालय, लटैली, चम्पावत में छात्र–छात्राओं के व्यायाम हेतु ओपन जिम का निर्माण किये जाने हेतु 99.44 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 59.66 लाख, जनपद पौडी के विधानसभा क्षेत्र यमकेश्वर की तहसील यमकेश्वर क्षेत्रान्तर्गत जानकी पुल से चौरासी कुटिया तक सम्पर्क मार्ग को बीटल्स स्ट्रीट के रूप में विकसित किये जाने हेतु 85.74 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 51.44 लाख तथा जनपद पिथौरागढ़ के विधानसभा क्षेत्र धारचूला में ग्राम उच्छैदी नन्दा मंदिर से खोली बन तक पैदल मार्ग का निर्माण किये जाने हेतु 81.43 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 48.85 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा जनपद चम्पावत के विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट के ग्राम पंचायत डुंगरीफर्तयाल में शिव मंदिर का सौन्दर्यीकरण किये जाने हेतु 75.00 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 45.00 लाख, जनपद बागेश्वर के विधानसभा क्षेत्र कपकोट की सरयू वैली एवं शामा क्षेत्र के अन्तर्गत विद्युत सब स्टेशन की स्थापना किये जाने हेतु 5.00 करोड़ की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 2.00 करोड़, विधानसभा क्षेत्र चम्पावत में माँ पूर्णागिरि धाम में सेलागाड गांव में इण्टरलॉकिंग टाईल्स का कार्य किये जाने हेतु 19.68 लाख तथा जनपद नैनीताल के विधानसभा क्षेत्र भीमताल के ओखलकाण्डा ब्लॉक के ग्राम सभा कैडागांव के कैडाकोट बुग स्थल तथा धारी के मौनीबाग आश्रम में एक–एक धर्मशाला बनाये जाने हेतु 87.95 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त में 52.77 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है।मुख्यमंत्री द्वारा राज्य स्वास्थ्य प्राधिकरण के गोल्डन कार्ड के सुचारू संचालन/ लम्बित देयकों के भुगतान हेतु 75.00 करोड़ की धनराशि राज्य बजट से स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है। मुख्यमंत्री द्वारा ग्रामीण निर्माण विभाग के अन्तर्गत राज्य योजनान्तर्गत/मुख्यमंत्री घोषणा/नाबार्ड योजनान्तर्गत/विभिन्न सडक एवं ट्रेस पुल का निर्माण किये जाने हेतु प्रथम किश्त में 137.60 लाख की धनराशि स्वीकृत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया गया है, जिसके अन्तर्गत जनपद चमोली के विकासखण्ड नन्दानगर के अन्तर्गत ग्राम पंचायत गोखमल्ला हेतु अनु०जाति बस्ती बगड गधेरे में पैदल पुलिया का निर्माण किये जाने हेतु प्रथम किश्त में 47.03 लाख, ग्रामीण मोटर मार्ग देवाल के मुन्दोली वाण मोटर मार्ग के वाण से भराण गांव मोटर मार्ग का सतह पुनर्लेपन एवं सुधारीकरण किये जाने हेतु दिये।

एक नजर

दूसरे रविवार भी चला स्वच्छता अभियान

डोईवाला। ग्राम पंचायत में दूसरे रविवार को भी स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में विदुषी निशंक, ग्राम प्रधान गुरजीत सिंह लाडी के नेतृत्व में हिमालयीय आयुर्वेदिक मेडिकल कॉलेज के स्टाफ, छात्र–छात्राओं, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और ग्रामीणों ने श्रमदान कर गांव के सार्वजनिक स्थलों की साफ–सफाई की। अभियान के माध्यम से स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ गांव बनाने का संदेश दिया गया।

विदुषी निशंक ने कहा कि स्वच्छता को केवल अभियान तक सीमित न रखकर जनभागीदारी का स्थायी माध्यम बनाना होगा। उन्होंने कहा कि जब प्रत्येक नागरिक अपने घर और आसपास की सफाई की जिम्मेदारी निभाएगा, तभी स्वच्छ भारत का सपना साकार होगा।

ग्राम प्रधान गुरजीत सिंह लाडी ने सभी ग्रामवासियों से स्वच्छता अभियान में नियमित रूप से जुड़ने की अपील करते हुए कहा कि गांव की स्वच्छता और सुंदरता सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने बताया कि प्रत्येक रविवार को इस अभियान को जारी रखा जाएगा, ताकि स्वच्छता लोगों की आदत बन सके।

बारिश नहीं होने से अधिकतम तापमान पहुंचा 33 डिग्री के पार

जौलीग्रांट। क्षेत्र में बारिश की कमी से अधिकतम तापमान 33 डिग्री को पार कर गया। वहीं न्यूनतम तापमान में भी बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस कारण उमस भरी गर्मी हो रही है। उमस भरी गर्मी से लोग परेशान है। बारिश की कमी के कारण धान की रोपाई वाले खेतों में भी पानी कम हो गया है। एयरपोर्ट मौसम विभाग ने अधिकतम तापमान 33.30 और न्यूनतम तापमान 25 डिग्री दर्ज किया गया। जबकि बारिश कुल एक मिमी दर्ज की गई।

लच्छीवाला में फिर दिखा गुलदार, आबादी से उठा ले गया कुत्ता

डोईवाला। लच्छीवाला क्षेत्र में गुलदार लगातार दिखाई दे रहा है। शनिवार रात आबादी क्षेत्र से पालतू कुत्ते को उठा ले गया है। घटना के बाद से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग से पकड़ने की मांग की है।

नगर पालिका के लच्छीवाला क्षेत्र में बीती रात गुलदार आ गया और एक पालतू कुत्ते को उठा ले गया। वन सीमा से सटे लच्छीवाला आबादी क्षेत्र के लोग पहले हाथी और अब गुलदार की धमक से दहशत में हैं। सूचना पर वनकर्मी मौके पर पहुंते और गुलदार खदेड़ने के लिए आतिशबाजी की गई। क्षेत्र में रात को गश्त की गई। एहतियात के तौर पर प्रभावित इलाके की निगरानी और बढ़ा दी गई है। पूर्व बीडीसी सदस्य प्रेम सिंह पम्मीराज ने बताया कि सप्ताह भर के अंतराल पर गुलदार आबादी में दूसरी बार देखा गया। लोग रात को घरों से निकलने में परहेज कर रहे हैं। लच्छीवाला वन रेंज के फॉरेस्टर पूरण सिंह रावत ने बताया कि गुलदार पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की तैयारी की जा रही है। उन्होंने लोगों से रात के समय अनावश्यक रूप से घरों से बाहर न निकलने और अपने पालतू पशुओं को सुरक्षित रखने के लिए कहा है।

एक पेड़ पुरानी पेंशन के नाम अभियान चलाया

ऋषिकेश। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली संयुक्त मोर्चा जनपद देहरादून की ओर से चीला रोड राजाजी नेशनल पार्क क्षेत्र में एक पेड़ पुरानी पेंशन के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिकारी, कर्मचारी, शिक्षक, पूर्व सैनिक, किसान और स्थानीय नागरिक शामिल हुए। जिलाध्यक्ष अवधेश सेमवाल ने कहा कि पुरानी पेंशन कर्मचारियों का नैतिक अधिकार है। सरकार को लाखों कर्मचारियों के भविष्य की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए पुरानी पेंशन व्यवस्था को जल्द बहाल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पौधरोपण केवल पर्यावरण संरक्षण का अभियान नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का संकल्प भी है। जिला महामंत्री अभिषेक नवानी ने कहा कि नई पेंशन व्यवस्था कर्मचारियों को पर्याप्त सामाजिक सुरक्षा नहीं दे पा रही है।

डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार संघ का प्रदर्शन

देहरादून। उत्तराखंड डीएलएड प्रशिक्षित बेरोजगार संघ ने प्राथमिक शिक्षक भर्ती प्रक्रिया जल्द शुरू करने की मांग उठाई। संघ के पदाधिकारियों ने शिक्षा सचिव को ज्ञापन भेजकर वर्ष 2021–22 बैच के प्रशिक्षुओं के हित में शीघ्र भर्ती प्रक्रिया शुरू करने और रिक्त पदों पर विज्ञापन जारी करने की मांग की।

कहा कि डीएलएड प्रशिक्षण पूरा किए दो वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, लेकिन अब तक प्राथमिक शिक्षक भर्ती शुरू नहीं होने से प्रशिक्षित अभ्यर्थी मानसिक तनाव और आर्थिक कठिनाइयों का सामना कर रहे हैं। संघ का कहना है कि पूर्व में विभाग की ओर से भर्ती प्रक्रिया शुरू करने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

हर स्कूल में स्काउट–गाइड अनिवार्य करने पर जोर

हल्द्वानी। भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला संस्था नैनीताल की ओर से राज्य पुरस्कार एवं जांच शिविर कार्यशाला आयोजित की गई। शनिवार को सेंट पॉल्स स्कूल काठगोदाम में हुई कार्यशाला के प्रथम सत्र में मुख्य शिक्षा अधिकारी आरएस नेगी ने विधिवत रूप से भारत स्काउट्स एवं गाइड्स जिला नैनीताल के मुख्य आयुक्त का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विद्यालय के प्रशासक रेवरेंड जीवन पॉल ने गुलदस्ता और प्रधानाचार्य मनोज कुमार ने अंगवस्त्र पहनाकर उनका स्वागत किया। जिला सचिव आरएस जीना ने कमिश्नर कैप और जिला प्रशिक्षण आयुक्त स्काउट महेंद्र सिंह सैनी ने स्कार्फ पहनाकर अभिनंदन किया। जिला संस्था नैनीताल के अध्यक्ष नरेंद्र साह ने जिले में चल रही स्काउट–गाइड गतिविधियों की जानकारी दी। हिमालय वुड बैज कोर्स में सफलता प्राप्त करने पर मुख्य आयुक्त ने नीरू कपूर और सरिता लोहनी को प्रमाणपत्र दिए। मुख्य आयुक्त नेगी ने जनपद के सभी विद्यालयों में स्काउट–गाइड को अनिवार्य रूप से लागू करने पर बल दिया।

आरोपी को ग्रामीणों ने पकड़कर पुलिस को सौंपा

गौलापार (नैनीताल)। गौलापार क्षेत्र में एक युवती से कथित छेड़छाड़ का मामला सामने आया है। ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया।

पुलिस के अनुसार, गौलापार निवासी एक युवती ने तहरीर देकर बताया कि वह हल्द्वानी स्थित जन औषधि केंद्र में काम करती है। उसका आरोप है कि पिछले करीब दो महीनों से एक युवक लगातार मोटरसाइकिल से उसका पीछा कर रहा था और रास्ते में बार–बार रोकने की कोशिश करता था। शिकायत के अनुसार शनिवार सुबह करीब 9 बजे जब वह स्कूटी से घर से निकली तो गौलापार स्थित नायरा पेट्रोल पंप के पास आरोपी ने अपनी मोटरसाइकिल स्कूटी के आगे लगाकर रास्ता रोक दिया। युवती का आरोप है कि इस दौरान उसने छेड़छाड़ की। शोर सुनकर आसपास मौजूद लोग मौके पर पहुंचे तो आरोपी युवक भागने लगा। इस पर ग्रामीणों ने घेराबंदी कर आरोपी को लिंक रोड पर पकड़ लिया और पुलिस के सुपुर्द कर दिया। थानाध्यक्ष तारा सिंह राणा ने बताया कि गिरफ्तार युवक ने नाम मोहम्मद अली पुत्र उस्मान अली निवासी नवाबगंज, (उत्तर प्रदेश) एवं वर्तमान निवासी बनभूलपुरा बताया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की मोटरसाइकिल संख्या यूपी 25 डीयू 7933 को भी कब्जे में लेकर सीज कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर में भारी बारिश का अलर्ट

देहरादून। उत्तर भारत के पहाड़ी राज्य इस समय मानसून और प्राकृतिक आपदाओं की दोहरी मार झेल रहे हैं। हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड और जम्मू–कश्मीर (घाटी) में भारी बारिश, भूस्खलन और बादल फटने की घटनाओं ने जनजीवन को पूरी तरह अस्त–व्यस्त कर दिया है। नदियां उफान पर हैं, मुख्य हाईवे से लेकर सैकड़ों लिंक रोड बंद हैं और लोग लगातार मलबे व भूस्खलन के डर के साये में जीने को मजबूर हैं। बिगड़ते हालातों को देखते हुए मौसम विभाग और स्थानीय प्रशासन ने हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

1. कश्मीरः अनंतनाग और पहलगाम में बादल फटने से तबाही, प्रशासन हाई अलर्ट पर

दक्षिण कश्मीर में प्रकृति का रौद्र रूप देखने को मिला है, जहां दो अलग–अलग प्रसिद्ध इलाकों में अचानक बादल फटने से नदी–नालों में भयंकर सैलाब आ गया।

अचानक आई बाढ़

पहली घटना अनंतनाग जिले के चित्रगुल के ऊपरी पर्वतीय इलाकों में हुई, जिससे 'नाला आरपत चित्रगुल शांगस' में अचानक बाढ़ आ गई। इसके तुरंत बाद पर्यटन स्थल पहलगाम के 'नाला आवूरा' में भी बादल फटा, जिससे पानी का स्तर डरावनी तेजी से बढ़ गया।

होटल और पर्यटकों में अफरातफरी

मटमैले पानी के तेज बहाव को देखकर निचले इलाकों और तटों पर कुछ समय के लिए घबराहट का माहौल बन गया। गनीमत रही कि पहलगाम तट पर स्थित प्रमुख होटलों में ठहरे देश–विदेश के सभी पर्यटक सुरक्षित हैं।

प्रशासनिक मुस्तैदी

आपदा प्रबंधन, पुलिस और राजस्व विभागों को पूरी तरह सतर्क मोड पर रखा गया है। संवेदनशील और निचले इलाकों में बचाव और निगरानी टीमें तैनात कर दी गई हैं।

2. उत्तराखंडः 91 सड़कें बंद, 11 बांध और बैराजों में पानी खतरे के निशान के पास

उत्तराखंड में भूस्खलन के कारण संपर्क मार्ग पूरी तरह टूट चुके हैं। राज्य में एक राष्ट्रीय राजमार्ग और दो स्टेट हाईवे समेत कुल 91 मुख्य मार्ग बंद हैं, जिससे आवाजाही ठप हो गई है।

सबसे प्रभावित जिले

लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) सड़कों को खोलने की कोशिश में जुटा है, लेकिन लगातार गिरते मलबे से बाधा आ रही है। सबसे बदतर हालात पौड़ी गढ़वाल (21 मार्ग बंद) और चमोली (19 मार्ग बंद) में हैं। इसके अलावा टिहरी में 17 और पिथौरागढ़ में 10 सड़कें बंद हैं।

नदियों का बढ़ता जलस्तर

राज्य के 11 बांध और बैराजों में जल स्तर खतरे के निशान के बेहद करीब पहुंच गया है। उत्तरकाशी में भागीरथी नदी, कोटेश्वर–रुद्रप्रयाग में अलकनंदा (बदरीनाथ के पास) का जलस्तर तेजी से बढ़ा, हालांकि बाद में इसमें मामूली कमी दर्ज की गई है। ऋषिकेश और हरिद्वार में गंगा का जलस्तर फिलहाल घट रहा है, लेकिन खतरा टला नहीं है।

गोदाम की खराब बिजली लाइन ठीक करने के दौरान मिस्त्री को लगा करंट

देहरादून। पटेलनगर क्षेत्र में एक गोदाम की खराब बिजली लाइन ठीक करने के दौरान करंट लगने से 40 वर्षीय मिस्त्री की मौत हो गई। हादसा शनिवार देर रात शिमला बाईपास स्थित सैफ एक्सप्रेस गोदाम के बाहर हुआ। घायल मिस्त्री को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, जो सैफ एक्सप्रेस गोदाम में साइट इंजीनियर बद्री विहार कॉलोनी निवासी अर्जुन सिंह ने घटना की सूचना चौकी पुलिस को दी। उन्होंने बताया कि रात के समय गोदाम की बिजली खराब हो गई थी। इसे ठीक कराने के लिए गोदाम के गार्ड दुर्गा थापा से आसपास किसी बिजली मिस्त्री की जानकारी ली गई। इस पर गार्ड ने अपने पड़ोसी संदीप कश्यप को बुलाया। करीब 10 मिनट बाद संदीप कश्यप गोदाम पहुंचा और बाहर बैरियर के पास लगे बिजली के पोल पर चढ़कर फॉल्ट ठीक करने लगा। इसी दौरान तेज धमाके के साथ बिजली का फॉल्ट हुआ और उसे जोरदार करंट लग गया।

नकली करेंसी गिरोह के दो सदस्य पंजाब से गिरफ्तार

कोतवाली नगर पुलिस ने फर्जी करेंसी मामले में कार्रवाई करते हुए पंजाब से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन कुमार निवासी ग्राम शिखर, तहसील डेरा बाबा नानक, थाना कोटली सूरत मल्ही, जिला गुरदासपुर पंजाब और सुखबीर सिंह निवासी भटिक्के, थाना तरसिक्का, जिला अमृतसर पंजाब के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 1.10 लाख रुपये के नकली नोट, नकली नोट छापने में प्रयुक्त प्रिंटर और एक वरना कार बरामद की है।

एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने बताया कि छह जुलाई को हरिद्वार में सरजीत सिंह, टिंकू, सुमित कुमार और संजीव कुमार को 84,500 रुपये के नकली नोटों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने न्यायालय से टिंकू और सुमित को पुलिस कस्टडी रिमांड में लेकर पूछताछ की।

बारिश के बीच पहाड़ से सड़क पर आया मलबा

देहरादून। मसूरी–देहरादून मुख्य मार्ग पर हनुमान मंदिर के पास शनिवार रात बारिश के चलते पहाड़ से भारी मात्रा में मलबा आने से सड़क बंद हो गई थी। मार्ग अवरुद्ध होने के कारण कई चारपहिया और दोपहिया वाहन बीच रास्ते में फंसे रहे। कड़ी मशक्कत के बाद अलसुबह रास्ता खोला गया। बता दें कि गलोगी की पहाड़ी से कुछ दूरी पर स्थित हनुमान मंदिर से करीब एक किलोमीटर आगे देहरादून की ओर पहाड़ से मलबा सड़क पर आ गिरा, जिससे वाहनों की आवाजाही पूरी तरह ठप हो गई थी। मार्ग के दोनों ओर वाहन फंस जाने से पर्यटक और स्थानीय लोग देर रात तक सड़क खुलने का इंतजार करते रहे।

केदारनाथ रोपवे से रोजगार छिनने का डर, 19 को होगा महापंचायत

फाटा। केदारनाथ धाम के लिए प्रस्तावित रोपवे परियोजना के कारण स्थानीय लोगों के रोजगार पर संकट को देखते हुए उत्तराखंड स्वाभिमान मोर्चा लामबंद हो गया है। इस संबंध में मोर्चा आगामी 19 जुलाई को गुप्तकाशी में एक महापंचायत करेगा। महापंचायत में रोपवे परियोजना से प्रभावित होने वाले विभिन्न वर्गों के लोगों और स्थानीय हितधारकों के साथ गंभीर चर्चा की जाएगी।

मोर्चा के उपाध्यक्ष त्रिभुवन चौहान ने फाटा, धानी, नारायणकोटी और बड़ासू क्षेत्रों में स्थानीय लोगों से संवाद करते हुए महापंचायत में शामिल होने की अपील की। उन्होंने सरकार से मांग की है कि रोपवे का निर्माण कार्य शुरू होने से पहले यात्रा मार्ग से जुड़े तमाम छोटे–बड़े व्यापारियों के लिए स्थायी रोजगार की व्यवस्था की जाए। त्रिभुवन चौहान ने कहा कि यदि प्रतिदिन 10 से 15 हजार श्रद्धालु रोपवे से सीधे केदारनाथ धाम पहुंचेंगे तो गौरीकुंड से केदारनाथ तक के पारंपरिक यात्रा मार्ग पर निर्भर हजारों लोगों की आजीविका ठप हो जाएगी।

लगातार बारिश से नंदा की चौकी का अस्थायी पुल भी बहा

देहरादून। लगातार हो रही बारिश ने एक बार फिर नंदा चौकी क्षेत्र की परेशानी बढ़ा दी है। वर्ष 2025 में आई आपदा के दौरान क्षतिग्रस्त हुए नंदा चौकी पुल के विकल्प के रूप में बनाया गया अस्थायी पुल शनिवार देर रात तेज बारिश के चलते क्षतिग्रस्त हो गया। वहीं, सुबह पिछले साल ही आपदा में क्षतिग्रस्त हुआ पुराना पुल यातायात के लिए खोल दिया गया है। बताया जा रहा है कि नदी का जलस्तर अचानक बढ़ने से पुल के समीप मिट्टी का कटाव हो गया, जिससे अस्थायी पुल का एक हिस्सा टूट गया था और वह वाहनों की आवाजाही के लिए पूरी तरह असुरक्षित हो गया था। पुल के क्षतिग्रस्त होने के बाद पुलिस और प्रशासन ने एहतियातन इस मार्ग पर यातायात रोक दिया और वाहनों को वैकल्पिक मार्गों से भेजना शुरू कर दिया। मौके पर प्रशासन और संबंधित विभाग के अधिकारी स्थिति का जायजा लेने पहुंचे और सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। इधर, क्षेत्र के लोगों की बढ़ती परेशानी को देखते हुए निर्माणाधीन नंदा चौकी के मुख्य पुल का काम तेजी से पूरा कराने की कवायद शुरू कर दी गई है।

भंडारे वाले बाबा का निधनः आर्थिक तंगी के चलते परिजन नहीं पहुंच सके हरिद्वार

देहरादून,,हरकी पैड़ी क्षेत्र में वर्षों तक श्रद्धालुओं से भंडारा कराने की अपील करने वाले रमाशंकर गुप्ता उर्फ 'भंडारे वाले बाबा' का नगर कोतवाली पुलिस ने पूरे सम्मान के साथ अंतिम संस्कार कराया। आर्थिक तंगी के चलते परिजन हरिद्वार नही पहुंच सके तो पुलिस ने हिंदू रीति–रिवाज से उनका अंतिम संस्कार कर मानवता की मिसाल पेश की। पुलिस के अनुसार, नौ जुलाई को पुलिस कंट्रोल रूम के पास एक व्यक्ति का शव मिला था। आवश्यक कानूनी कार्रवाई और पहचान के प्रयास के बाद मृतक की शिनाख्त रमाशंकर गुप्ता(58) निवासी हरदोई उत्तर प्रदेश के रूप में हुई। वह लंबे समय से हरकी पैड़ी क्षेत्र में श्रद्धालुओं से जरूरतमंदों के लिए भंडारा कराने की अपील करने के कारण 'भंडारे वाले बाबा' के नाम से प्रसिद्ध थे।

लगातार बारिश से ढहा पुश्ता, पांच मकानों को हुआ नुकसान

देहरादून। लगातार हो रही बारिश मुसीबत का सबब बनती जा रही है। शहर के नई बस्ती विजय कॉलोनी, पठरिया पीर क्षेत्र में शनिवार को बारिश के चलते एक पुश्ता अचानक ढह गया। पुश्ते की दीवार टूटकर नीचे बने मकानों पर गिरने से चार से पांच घर क्षतिग्रस्त हो गए। हादसे में एक बुजुर्ग महिला घायल हुई हैं, जबकि समय रहते लोगों को सुरक्षित निकाल लेने से बड़ा हादसा टल गया। पुलिस ने एहतियात के तौर पर आसपास के मकान खाली करा लिए हैं लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, लगातार बारिश के कारण पुश्ते की मिट्टी और दीवार कमजोर हो गई थी। शनिवार को अचानक पुश्ता भरभराकर ढह गया और उसकी दीवार नीचे स्थित मकानों पर आ गिरी। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली नगर पुलिस, एसडीआरएफ और अन्य राहत एवं बचाव दल मौके पर पहुंच गए। टीमों ने तत्काल राहत कार्य शुरू करते हुए प्रभावित क्षेत्र को खाली कराया और लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया।

एक नजर

सड़क बहने से पांच गांवों का संपर्क कटा

उत्तरकाशी। जनपद के मोरी विकासखंड के दूरस्थ पांच गांव ढाटमीर, पंवाणी, ओसला, गंगाड़ और तालुका को जोड़ने वाली सांकरी–गंगाड़ मोटर मार्ग का बड़ा हिस्सा गियांगाड़ व हलारा खड्ड में सड़क बहने के कारण विकासखंड मुख्यालय से संपर्क कट गया है। ग्रामीण उफान पर बह रहे दोनों नालों के बीच मानव शृंखला बनाकर आवाजाही करने को मजबूर हैं। स्थिति यह है कि एक ओर से पानी में बहने का खतरा तो ऊपर से बोल्डर गिरने का खतरा बना है। सांकरी–गंगाड़ मोटर मार्ग पर गियांगाड़ व हलारा खड्ड में सड़क पर लगे नारदाने बहने के कारण वहां पर आवाजाही में लोगों को खतरे का सामना करना पड़ रहा है। वहीं पानी के साथ आए बोल्डर भी लोगों की परीक्षा ले रहे हैं। स्थिति यह है कि सड़क पानी में क्षतिग्रस्त होने के कारण अब इन पांच गांव के लोगों का संपर्क मोरी विकासखंड मुख्यालय से टूट गया है। इससे ग्रामीण अब गांव से सांकरी पहुंचने के लिए करीब 20 से 25 किमी की पैदल दूरी नाप रहे हैं। स्थानीय निवासी प्रकाश पंवार, लाल सिंह रावत, राजपाल रावत आदि का कहना है कि इस संबंध में कई बार शासन–प्रशासन से गुहार लगाई गई लेकिन अभी तक वहां पर वैकल्पिक व्यवस्था नहीं हो पाई है। कई बार पुल और बाईपास की मांग की गई है लेकिन किसी प्रकार की कार्रवाई नहीं हो पाई।

उत्तरकाशी में 21 करोड़ की सीसीयू का निर्माण सुस्त

उत्तरकाशी। जिला अस्पताल से सटी बहुप्रतीक्षित 50 बेड की क्रिटिकल केयर यूनिट (सीसीयू) का निर्माण तय समय सीमा पूरी होने के बाद भी अधूरा पड़ा है। करीब 21 करोड़ रुपये की लागत से बन रही इस अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधा का काम अब तक केवल 50 प्रतिशत के आसपास ही पूरा हो पाया है। निर्माण में हो रही देरी ने कार्यदायी संस्था की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सीसीयू भवन का निर्माण अप्रैल 2026 तक पूरा किया जाना था लेकिन 18 महीने से अधिक समय बीतने के बावजूद कार्य गति नहीं पकड़ सका है। मामले को गंभीरता से लेते हुए स्वास्थ्य विभाग ने कार्यदायी संस्था को दो नोटिस जारी किए हैं। हालांकि, विभागीय अधिकारियों के अनुसार अब तक संस्था की ओर से नोटिस का कोई जवाब उपलब्ध नहीं कराया गया है। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. बीएस रावत ने बताया कि निर्माण कार्य में देरी और प्रगति रिपोर्ट उपलब्ध न कराने को लेकर संस्था से जवाब मांगा गया है। उन्होंने कहा कि यदि निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार कार्य में लापरवाही सामने आती है तो संबंधित संस्था के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। विभाग के अनुसार, सीसीयू निर्माण के लिए प्रथम किस्त के रूप में 834.33 लाख रुपये जारी किए जा चुके हैं लेकिन अब तक इसका उपयोगिता प्रमाण–पत्र, मासिक वित्तीय विवरण और भौतिक प्रगति रिपोर्ट भी उपलब्ध नहीं कराई गई है। इस सीसीयू ब्लॉक में अत्याधुनिक आईसीयू बेड, वेंटिलेटर, मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, ऑक्सीजन सपोर्ट सिस्टम और आइसोलेशन वार्ड जैसी सुविधाएं प्रस्तावित हैं।

स्यानाचट्टी में बंद हाईवे को खोलने के लिए चार मशीनें जुटी

बड़कोट। चार दिन से भूस्खलन की मार झेल रहे यमुनोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग–134 को बहाल करने के लिए राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच) विभाग ने कवायद तेज कर दिया है। स्यानाचट्टी के भूस्खलन प्रभावित स्लाइड जोन में चार मशीनें लगातार युद्धस्तर पर मलबा और बोल्डर हटाने में जुटी हैं। हालांकि, मलबा डंपिंग स्थल दूर होने और लगातार चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के कारण मार्ग खोलने में समय लग रहा है। रविवार को एनएच के एससी अरुण कुमार पाण्डेय ने विभागीय अधिकारियों के साथ मौके का निरीक्षण कर बहाली कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सुरक्षा मानकों का पूरी तरह पालन करते हुए गुणवत्ता के साथ जल्द से जल्द मार्ग बहाल करने के निर्देश दिए। निर्माणाधीन बैली ब्रिज का निरीक्षण कर उसे जल्द तैयार करने को भी कहा।

एनएच के एई अंकित नौटियाल ने बताया कि प्रभावित क्षेत्र में वैकल्पिक डाइवर्जन मार्ग भी तैयार किया गया है ताकि आवश्यक आवाजाही पूरी तरह बाधित न हो। उन्होंने कहा कि मौसम अनुकूल रहने पर हाईवे को सुरक्षित तरीके से जल्द यातायात के लिए खोलने का प्रयास किया जा रहा है। इस बीच यमुनोत्री हाईवे पर हनुमान चट्टी और जंगल चट्टी के पास भी हालात पूरी तरह सामान्य नहीं हैं।

लाला और थाना बाजार में दिन में दोपहिया वाहनों पर लगे प्रतिबंध

अल्मोड़ा। सेवानिवृत केंद्रीय कर्मचारी कल्याण समिति की शनिवार को नगर निगम सभागार में बैठक हुई। वक्ताओं ने कहा कि नगर के लाला बाजार से थाना बाजार तक सुबह आठ बजे से रात आठ बजे तक दो पहिया वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध लगाया जाए। वाहनों की आवाजाही से वरिष्ठ नागरिकों के साथ ही आम लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है।बैठक की अध्यक्षता करते हुए डॉ. पीसी जोशी ने कहा कि कोसी नदी में सिल्ट आने से नगर में पानी की आपूर्ति ठप हो जाती है। इससे लोगों को परेशानी झेलनी पड़ती है। उन्होंने पिंडरघाटी प्रोजेक्ट को धरातल पर उतारने पर जोर दिया जिससे कि लोगों को पानी की समस्या से निजात मिल सकी।उन्होंने कहा कि नगर में वरिष्ठ नागरिकों, महिलाएं, गर्भवतियों और पर्यटकों के बैठने के लिए जगह–जगह बेंच और महिलाओं के लिए शौचालयों की व्यवस्था की जाए। इसके अलावा रैमजे इंटर कॉलेज के पास बने पार्क खोला जाए और उसका नाम कुमाऊं के किसी गणमान्य व्यक्ति, शहीद सैनिक के नाम पर रखा जाए। इसके अलावा टम्टा धर्मशाला के शीघ्र संचालन की मांग उठाई है।

350 करोड़ की योजना और जनता की टूट रही कमर

कोटद्वार के मानपुर क्षेत्र में पेयजल लाइन बिछने के बाद बदहाल स्थिति में पड़ी सड़क

यूयूएसडीए के तहत पेयजल लाइन बिछाने के लिए खोदी गई थी सड़कें जगह-जगह बदहाल सड़कों पर टूट रही वाहन चालकों की कमर

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सरकारी सिस्टम जनसरोकार को लेकर कितना लापरवाह है, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण वार्डों को जोड़ने वाली मुख्य सड़कों की बदहाल स्थिति है। हालत यह है कि कई माह पूर्व घर-घर 24 घंटे जल पहुंचाने के लिए खोदी गई इन सड़कों की अब तक मरम्मत नहीं करवाई गई है। जबकि, योजना के तहत पाईप लाइन बिछाने व सड़कों की मरम्मत के लिए करोड़ों रुपये स्वीकृत किया गया है। ऐसे में यदि जल्द इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो वर्षाकाल में राहगीरों का जख्म झेलना तय है।

प्रथम चरण में शहर के बीस वार्डों में पेयजल लाइन बिछाने के लिए करीब 350 करोड़ रुपये स्वीकृत कए गए थे। लगभग एक वर्ष पूर्व उत्तराखंड अर्बन सेंटर डेपलपमेंट एजेंसी (यूयूएसडीए) की ओर से धरातल पर कार्य प्रारंभ किया गया। पेयजल लाइन बिछाने के लिए वार्डों की सड़कों के साथ ही मुख्य सड़कों को भी जेबीसी की मदद से खोदा गया। लाइन बिछने के बाद उक्त स्थान पर मिट्टी डालकर यातायात शुरु करवाया गया। साथ ही जनता को जल्द सड़क को पूर्व की तरह पक्का करने का आश्वासन दिया गया। लेकिन, अब तक सड़कों की सुध नहीं ली गई है। हालत यह है कि सड़क पर वाहन चलने से धूल का गुब्बार उठ रहा है। सबसे बुरी स्थिति मानपुर हनुमान मंदिर से घराट चौराह तक बनी हुई है। वर्षा होते ही सड़कें तालाब बन रही है। ऐसे में आमजन का पैदल चलना भी मुश्किल होता जा रहा है। लोगों का कहना है कि इस संबंध में वह कई बार नगर निगम व स्थानीय प्रशासन से भी शिकायत कर चुके हैं। लेकिन, अब तक कोई भी अधिकारी या कर्मचारी मौके पर झांकने तक नहीं पहुंचा। इस स्थिति में यह वर्षाकाल चुनौती बनेगा।

कई स्थानों पर दिख रही लापरवाह

संबंधित कार्यदायी संस्था की ओर से कई वार्डों में लापरवाही देखने को मिल रही है। गलियों की सड़कों में पानी की निकासी के लिए नाली तक का निर्माण नहीं किया गया है। ऐसे में वर्षा होते ही सड़कें पूरी तरह पानी से भर रही है। कई दिन तक पानी सड़कों पर नजर आ रहा है। जिससे लोगों को संक्रामक बीमारियों का खतरा बना हुआ है। लोगों का कहना है कि पूर्व में उनके वार्ड में पानी की निकासी की व्यवस्था की लेकिन, सड़क खोदने के बाद इसमें केवल सीमेंट भर दिया गया है। ऐसे में समस्या लगातार बढ़ती जा रही है।

हवा हो गए नगर निगम के दावे

पूर्व में स्थानीय लोगों ने लापरवाही पर रोष व्यक्त करते हुए व्यवस्थाओं में सुधार की मांग उठाई थी। उस समय महापौर व निगम के अधिकारियों ने जल्द समस्या के निराकरण का आश्वासन दिया था। लेकिन, निगम का यह आवश्वासन हवा हो गया। नहीं बरसात में जनता को परेशानी झेलनी पड़ रही हैं।

जिले के सभी होमस्टे का होगा भौतिक सत्यापन

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ीः जिले में संचालित सभी पंजीकृत होमस्टे का जल्द ही भौतिक सत्यापन किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान उपलब्ध सुविधाओं और निर्धारित मानकों के आधार पर उनकी श्रेणी तय की जाएगी। उत्कृष्ट सुविधाएं उपलब्ध कराने वाले होमस्टे को उच्च श्रेणी में अपग्रेड किया जाएगा, जबकि मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले होमस्टे की श्रेणी का पुनर्निर्धारण किया जाएगा। जिलाधिकारी स्वाति एस. भदौरिया ने पर्यटन विभाग को इसके लिए विशेष सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने पर्यटन स्थल खिर्सू में विभिन्न होमस्टे का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि जिले में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए होमस्टे की गुणवत्ता में निरंतर सुधार, नियमित निरीक्षण और पारदर्शी ऑनलाइन व्यवस्था सुनिश्चित करना आवश्यक है। इससे पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और स्थानीय लोगों के लिए स्वरोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को सभी पंजीकृत होमस्टे का भौतिक सत्यापन कर अद्यतन जानकारी पर्यटन विभाग की वेबसाइट और एनआईसी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक होमस्टे की लोकेशन, संपर्क विवरण, उपलब्ध सुविधाएं और श्रेणी की जानकारी ऑनलाइन उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि देश–विदेश से आने वाले पर्यटक अपनी आवश्यकता के अनुरूप होमस्टे का चयन आसानी से कर सकें। निरीक्षण के दौरान डीएम ने खिर्सू स्थित माउंटेन पीक और रिवाज होमस्टे का दौरा कर संचालकों से संचालन व्यवस्था, पर्यटकों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं, आवश्यक अभिलेखों और चेकलिस्ट की जानकारी ली। इस दौरान एसडीएम नूपुर वर्मा, डीडीओ कमल किशोर जोशी, तहसीलदार दीपक भंडारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पुलिस ने अपराध रोकथाम और साइबर सुरक्षा को लेकर किया जागरूक

कोटद्वार के झंडीचौड़ में आयोजित थाना दिवस कार्यशाला के दौरान उपस्थित लोगों को संबोधित करते पुलिस अधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शहर में अपराध पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से कोतवाली कोटद्वार पुलिस ने भाबर क्षेत्र के झंडीचौड़ में थाना दिवस के तहत जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास होने वाली किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को दें, ताकि अपराधों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके। कार्यशाला में गृह मंत्रालय द्वारा संचालित नेशनल साइबर क्राइम पोर्टल और उससे मिलने वाली सेवाओं की जानकारी दी गई। पुलिस ने साइबर ठगी से बचाव के उपाय बताते हुए लोगों को ऑनलाइन धोखाधड़ी के नए तरीकों के प्रति सतर्क रहने की सलाह दी। साथ ही महिला सुरक्षा, महिलाओं के विरुद्ध अपराध, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति, उसके दुष्प्रभाव, सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों के पालन पर भी विस्तार से चर्चा की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि अपराध नियंत्रण में जनसहभागिता सबसे महत्वपूर्ण है। लोगों से कहा गया कि किसी भी आपात स्थिति में पुलिस हेल्पलाइन 112 और साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 का तुरंत उपयोग करें। कार्यक्रम में पार्षद सुखपाल शाह, राजेंद्र बिष्ट, रजनीश बेबनी, पूर्व पार्षद अमित नेगी, महिला मंगल दल की अध्यक्ष रामेश्वरी देवी, किशनपुर व्यापार मंडल अध्यक्ष सुमित थपलियाल, झंडीचौड़ व्यापार मंडल अध्यक्ष विनोद धूलिया सहित क्षेत्र के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पर्यटकों की कार के आगे गिरे बोल्डर, बड़ा हादसा टला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर रविवार दोपहर उस समय बड़ा हादसा टल गया, जब लालपुल से करीब एक किलोमीटर आगे पहाड़ी से अचानक भारी बोल्डर एक पर्यटक वाहन के ठीक सामने आ गिरे। चालक की सतर्कता से वाहन समय रहते रुक गया और सभी यात्री सुरक्षित बच गए।

जानकारी के अनुसार चालक भरत सिंह पर्यटकों को लेकर कोटद्वार से लैंसडौन जा रहे थे। इसी दौरान पहाड़ी से लगातार बड़े-बड़े बोल्डर सड़क पर गिरने लगे। चालक ने तत्काल ब्रेक लगाकर वाहन रोक दिया, जिससे संभावित दुर्घटना टल गई। घटना के बाद वाहन में सवार पर्यटक सहम गए। बाद में पर्यटकों और स्थानीय लोगों ने मिलकर सड़क पर गिरे बोल्डरों को हटाया, जिसके बाद यातायात दोबारा सुचारु हो सका। गौरतलब है कि इस मार्ग पर बरसात के मौसम में भूस्खलन और बोल्डर गिरने की घटनाएं लगातार सामने आती रही हैं। कुछ सप्ताह पहले प्रदेश के कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज के काफिले की एक कार पर भी बोल्डर गिरने से वाहन क्षतिग्रस्त हो गया था। वहीं, दुगड्डा–गुमखाल मार्ग पर भी हाल ही में एक कार पर बोल्डर गिरने की घटना हुई थी। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से बरसात के दौरान संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने, नियमित निगरानी रखने और खतरे वाले क्षेत्रों में आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है। उनका कहना है कि इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को हर समय दुर्घटना का भय बना रहता है।

कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग पर लालपुल के पास सड़क पर गिरे बोल्डर

सेवानिवृत्त वन कर्मियों ने उठाई सुविधाओं की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः सेवानिवृत्त वन अधिकारी एवं कर्मचारी कल्याण समिति की बैठक में वन कर्मियों के हितों से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हुए सरकार से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को विशेष सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की गई। पनियाली स्थित वन विभाग के गेस्ट हाउस सभागार में समिति के अध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद पंत की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि वन कर्मी अपने सेवा काल में दुर्गम वन क्षेत्रों में विषम भौगोलिक परिस्थितियों और वन्यजीवों के बीच जोखिम भरी ड्यूटी निभाते हैं। इसके बावजूद सेवानिवृत्ति के बाद उन्हें कोई विशेष सुविधा नहीं मिलती। बैठक में मांग की गई कि सेवानिवृत्त वन कर्मियों को पुलिस और सेना के जवानों की तर्ज पर सम्मानजनक सुविधाएं प्रदान की जाएं। साथ ही उन्हें परिवार सहित वन विश्राम गृहों में निःशुल्क ठहरने, टोल प्लाजा, वन विभाग के अधीन पर्यटन स्थलों और राष्ट्रीय उद्यानों में निःशुल्क प्रवेश की सुविधा दी जाए। इसके अलावा ड्यूटी के दौरान शहीद होने वाले वन कर्मियों को सैनिकों की भांति सम्मान दिए जाने की भी मांग उठाई गई। बैठक में नवीन जोशी, सुरेश मधवाल, धर्मानंद ध्यानी, हरीश चंद्र भट्ट, हरेंद्र सिंह, नत्थू सिंह अधिकारी, केसी निराला और कुंदन सिंह राणा सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

परियोजनाओं की सुरक्षा को लेकर यूजेवीएनएल अलर्ट

चिन्यालीसौड़। जनपद में लगातार हो रही बारिश और भागीरथी नदी में बढ़ी सिल्ट (गाद) के बीच यूजेवीएन लिमिटेड ने अपनी जलविद्युत परियोजनाओं की सुरक्षा और निर्बाध बिजली उत्पादन को लेकर सतर्कता बढ़ा दी है। यूजेवीएनएल के प्रबंध निदेशक अजय कुमार सिंह ने रविवार को मनेरी भाली जल विद्युत परियोजना–प्रथम एवं द्वितीय का स्थलीय निरीक्षण कर तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की।

निरीक्षण के बाद आयोजित समीक्षा बैठक में प्रबंध निदेशक ने साफ निर्देश दिए कि मानसून के दौरान सुरक्षा से किसी भी स्तर पर समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी बांधों, विद्युत गृहों और अन्य महत्वपूर्ण परिसंपत्तियों का संचालन निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के अनुरूप किया जाए। सभी अधिकारी और कर्मचारी पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। उन्होंने निर्देश दिए कि मशीनों और उपकरणों का संचालन सुरक्षित परिचालन सीमा के भीतर करते हुए उपलब्ध जल का वैज्ञानिक एवं दक्षतापूर्वक उपयोग कर अधिकतम विद्युत उत्पादन सुनिश्चित किया जाए। एमडी ने भूस्खलन, अतिवृष्टि, फ्लैश फ्लड और अन्य संभावित जोखिमों को देखते हुए संवेदनशील स्थलों पर 24 घंटे निगरानी, अर्ली वार्निंग सिस्टम, ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन और रियल टाइम मॉनिटरिंग व्यवस्था को प्रभावी बनाए रखने के निर्देश दिए।

शैलशिल्पी विकास संगठन ने पूर्व आईएएस स्व. चंद्र सिंह को दी श्रद्धांजलि

स्वर्गीय चंद्र सिंह को श्रद्धांजलि देते सदस्य

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वारः शैलशिल्पी विकास संगठन की ओर से सिम्मलचौड़ स्थित जयानंद भारतीय स्मृति पुस्तकालय में श्रद्धांजलि सभा आयोजित कर पूर्व आईएएस अधिकारी स्वर्गीय चंद्र सिंह को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर दो मिनट का मौन रखा और उनके बताए आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।

संगठन के अध्यक्ष विकास कुमार आर्य ने कहा कि स्व. चंद्र सिंह एक ईमानदार, कर्मठ और जनहितैषी अधिकारी थे। उन्होंने दलितों, वंचितों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए जीवनभर कार्य किया। उन्होंने कहा कि टिहरी–उत्तरकाशी जिले के अनुसूचित जाति समाज से आईएएस बनने वाले पहले अधिकारी के रूप में स्व. चंद्र सिंह ने अपनी निष्पक्ष कार्यशैली और जनसेवा से अलग पहचान बनाई। उनका जीवन समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय और अवसर पहुंचाने के लिए समर्पित रहा। सभा में वक्ताओं ने कहा कि स्व. चंद्र सिंह का निधन समाज और प्रदेश के लिए अपूरणीय क्षति है। उन्होंने राज्य सरकार से मांग की कि उनकी स्मृति को चिरस्थायी बनाए रखने के लिए उनके गृह जनपद में किसी विद्यालय या महाविद्यालय का नाम उनके नाम पर रखा जाए। कार्यक्रम में जगदीश राठी, प्रमोद चौधरी, केसीराम राम निराला, शूरवीर खेतवाल, बीके भारती, आशाराम, गीता सिंह, मनोज सिंह, जीवन कुमार, अर्जुन सिंह, मोहित कुमार, पूरण सिंह और श्याम सिंह सहित कई सदस्य उपस्थित रहे।

हेरिटेज एकेडमी में सीटी व एआई विषय पर शिक्षकों की प्रतियोगिता

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वारः हेरिटेज एकेडमी में ह्यूमन कंप्यूटेशनल थिंकिंग (सीटी) और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) को समझना विषय पर शिक्षकों के लिए प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें क्षेत्र के विभिन्न सीबीएसई विद्यालयों के शिक्षकों ने प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की प्रधानाचार्य डॉ. रूपमाला सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस भविष्य की शिक्षा और कार्यशैली को तेजी से बदल रहा है। ऐसे में विद्यार्थियों को केवल नई तकनीक का उपयोग करना ही नहीं, बल्कि तार्किक सोच, प्रश्न पूछने की क्षमता, पैटर्न की पहचान और समयबद्ध ढंग से समस्याओं का समाधान करना भी सिखाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि शिक्षकों को भी कंप्यूटेशनल थिंकिंग और एआई की समुचित जानकारी होनी चाहिए, ताकि इन तकनीकों को प्रभावी ढंग से शिक्षण प्रक्रिया का हिस्सा बनाया जा सके और विद्यार्थियों में रचनात्मकता के साथ नैतिक मूल्यों का भी विकास हो।

आयोजित प्रतियोगिता के अव्वल शिक्षकों को सम्मानित करते अतिथि

प्रतियोगिता में डीएवी पब्लिक स्कूल के शिक्षक संजय कुमार शर्मा ने प्रथम, ब्लूमिंगवेल पब्लिक स्कूल की शिक्षिका सुमन काला ने द्वितीय तथा हेरिटेज एकेडमी के शिक्षक अधीश श्रवण ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर परमप्रीत सिंह ग्रेवाल, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, प्रदीप गौड़ सहित अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

चिन्यालीसौड़ में कार दुर्घटनाग्रस्त

चिन्यालीसौड़। थाना धरासू के अंतर्गत बड़ेथी धारा के पास एक कार अचानक अनियंत्रित होकर लगभग 15 मीटर गहरी खाई में जा गिरी। दुर्घटना में पांच लोग घायल हो गए। पुलिस और स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को खाई से बाहर निकाला गया जिन्हें प्राथमिक उपचार के लिए सीएचसी चिन्यालीसौड़ में भर्ती कराया गया। रविवार दोपहर को बड़ेथी धारा के पास कार सड़क से नीचे गिर गई। पुलिस के अनुसार स्थानीय लोगों की मदद से दुर्घटनाग्रस्त कार में सवार पांचों घायलों को निकाला गया। हादसे में 22 वर्षीय चालक अजय पुत्र रामलाल निवासी खदाड़ा बनचौरा, 17 वर्षीय विकेंदर पुत्र सुरीलाल निवासी खदाड़ा, 17 वर्षीय सुजल पुत्र जसपाल निवासी धारकोट बनचौरा, 19 वर्षीय शीतल पुत्री जसपाल निवासी धारकोट व 13 वर्षीय प्रियंजल पुत्र जसपाल निवासी धारकोट घायल हो गए।

संपादकीय

डिजिटल कैद में बचपन

शारीरिक बीमारी से अधिक घातक है मानसिक बीमारी जो अक्सर हमारी दिनचर्या में परिवर्तन के कारण भी विकार का रूप धारण कर लेती है। पिछले दिनों एक समाचार प्रमुखता से प्रकाशित हुआ था जिसमें एक छोटे बच्चों ने मोबाइल न मिलने पर अपनी मां के सिर पर बल्ला मार दिया था जिससे उनकी मौत हो गई, तो वही ऑनलाइन गेम्स की चपेट में आकर तो न जाने कितने ही बच्चे अपनी जिंदगी गवा चुके हैं। इनकार नहीं है कि मोबाइल का प्रयोग आज एक जरूरत बन गई है, पढ़ई, मनोरंजन, खेल, जानकारी और संवाद–हर चीज़ अब एक छोटी–सी स्क्रीन में सिमट गई है। लेकिन जिस तकनीक ने जीवन को आसान बनाया है, वही तकनीक बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य के लिए एक गंभीर चुनौती भी बनती जा रही है। सवाल यह है कि क्या मोबाइल वास्तव में बच्चों को मानसिक रूप से बीमार बना रहा है, या समस्या उसके अनियंत्रित उपयोग में छिपी है? विशेषज्ञों का मानना है कि मोबाइल स्वयं बीमारी नहीं है, लेकिन उसका अत्यधिक और गलत उपयोग बच्चों के मानसिक विकास को प्रभावित कर सकता है। जब कोई बच्चा घंटों तक मोबाइल स्क्रीन पर वीडियो देखता है, गेम खेलता है या सोशल मीडिया पर समय बिताता है, तो उसके मस्तिष्क पर लगातार उत्तेजना का प्रभाव पड़ता है। इससे उसका ध्यान कम समय तक केंद्रित रह पाता है और पढ़ाई या अन्य रचनात्मक गतिविधियों में रुचि घटने लगती है। मोबाइल की लत बच्चों में चिड़चिड़ापन, बेचैनी और अकेलेपन की भावना भी बढ़ा सकती है। कई बार देखा गया है कि यदि बच्चे से मोबाइल कुछ समय के लिए भी ले लिया जाए तो वह गुस्सा करने लगता है या तनाव महसूस करता है। यह स्थिति किसी नशे की लत से मिलती–जुलती प्रतीत होती है, जहां व्यक्ति एक वस्तु पर अत्यधिक निर्भर हो जाता है। सोशल मीडिया पर अधिक समय बिताना भी बच्चों के मानसिक विकास पर व्यापक प्रभाव डाल रहा है। सबसे महत्वपूर्ण है बच्चों के लिए पूरी नींद लेकिन अब यह भी मोबाइल की भेंट चढ़ती नजर आने लगी है। नींद की कमी का सीधा असर मानसिक स्वास्थ्य, स्मरण शक्ति और भावनात्मक संतुलन पर पड़ता है। कई शोध बताते हैं कि पर्याप्त नींद न लेने वाले बच्चों में तनाव और व्यवहार संबंधी समस्याएं अधिक देखने को मिलती हैं। ऐसा नहीं की मोबाइल के प्रयोग में कवल हनी ही छिपी है बल्कि आज यह ज्ञान का एक विस्तृत शब्दकोश बन चुका है, मोबाइल के बिना तो अब कोई कार्य कल्पना के विपरीत है। बच्चों के मामले में सही मार्गदर्शन और सीमित उपयोग के साथ यह शिक्षा, रचनात्मकता और ज्ञान का एक प्रभावी साधन बन सकता है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब बच्चों के हाथ में मोबाइल उन्हें पूरी तरह से शारीरिक मानसिक और सामाजिक तौर पर अपनी गिरफ्त में जकड़ लेता है। तो क्या यह मान लेना चाहिए कि अब मोबाइल की गिरफ्त से निकलना मुश्किलहै? इसके लिए सबसे अच्छा विकल्प है परिवार को एक दूसरे के साथ अधिक से अधिक समय देना। माता–पिता बच्चों के साथ अधिक समय बिताएं, उन्हें खेलकूद, पुस्तक पढ़ने और सामाजिक गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित करें। घर में मोबाइल उपयोग के स्पष्ट नियम बनाए जाएं और भोजन, पढ़ाई तथा सोने के समय स्क्रीन से दूरी रखी जाए। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि बड़े स्वयं भी संतुलित डिजिटल व्यवहार का उदाहरण प्रस्तुत करें, क्योंकि बच्चे वही सीखते हैं जो वे देखते हैं। मोबाइल बच्चों को मानसिक रूप से बीमार बनाने वाला अकेला कारण नहीं है, लेकिन उसका अनियंत्रित उपयोग निश्चित रूप से मानसिक स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। बच्चों की मानसिकता को बदला जा सकता है लेकिन इसके लिए उन्हें उचित माहौल भी उपलब्ध कराना होगा।

नेतन्याहु के मकड़जाल में फंसकर फड़फड़ा रहे ट्रंप?

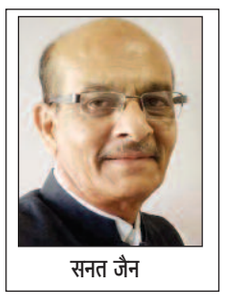

सनत जैन

28 फरवरी को इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान पर व्यापक हमले किए, जिसके बाद से पूरा मध्य पूर्व इस सैन्य संघर्ष की चपेट में आ गया है। इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहु और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा था, एक सप्ताह के अंदर ईरान में सत्ता बदल जाएगी। मोसाद और इजराइल की नेतन्याहू सरकार ने जिस तरह से ईरान में सत्ता पलटने की कोशिश की थी, ईरान में आंदोलन बड़े पैमाने पर हो रहे थे। इसी बीच ईरान पर हमला किया गया। इजराइल और अमेरिका ने कभी सोचा भी नहीं था कि ईरान उन्हें इस तरह से जवाब देगा। अमेरिका और इजराइल की जो सबसे बड़ी गलती थी, उसमें ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई सहित उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या तथा स्कूल में किए गए हमले में 165 से ज्यादा बच्चियों की मौत ने युद्ध के सारे समीकरण बदल दिए। मोसाद, अमेरिका और इजराइल के खिलाफ ईरान की जनता भड़क गई। ईरान के रणनीतिकारों ने इसे अपने अस्तित्व का संकट मानकर जिस तरह से रूस और चीन के साथ-साथ होर्मूज स्टेट को अपना हथियार बनाया, उसने तमाम दावों को गलत साबित कर दिया। जिस तरह से मोसाद का सफाया ईरान से किया गया, अरब देशों में अमेरिका के जो सैन्य ठिकाने बने थे ईरान ने अपने जवाबी हमले में उन्हें नष्ट किया। इसकी कल्पना कभी भी अमेरिका और इजराइल ने नहीं की थी।

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू गाजा में जिस तरह का नरसंहार कर रहे थे, उनके ऊपर भ्रष्टाचार के भारी आरोप लगे हुए थे। नेतन्याहु ने स्वयं को बचाने के लिए जिस तरह से अमेरिका का उपयोग किया, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अपने मकडजाल में फंसाया, उसके बाद से अमेरिका बुरी तरह से फंसता चला गया। पिछले 4 महीने में अमेरिका ने तीन बार युद्ध से बाहर निकलने की कोशिश की, लेकिन वे असफल रहे। हर बार इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू के कारण कोई भी बातचीत परिणाम तक नहीं पहुंच सकी है। अब तो यह साफ दिखने लगा है राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहे हैं। इजराइल में कुछ महीने पश्चात चुनाव होने जा रहे हैं। अमेरिका के कुछ राज्यों में चुनाव अगले कुछ महीनो में होना है। दोनों ही नेताओं की लोकप्रियता में बड़ी तेजी के साथ कमी आई है और दोनों ही अपने अस्तित्व की लड़ाई को लड़ रहे हैं।

इजराइल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने अपना आखिरी ब्रह्मास्त्र चल दिया है। इस ब्रह्मास्त्र में उन्होंने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को उनकी हत्या का भय दिखाकर युद्ध के मैदान से भागने के स्थान पर डटकर मुकाबला करने की सलाह दी है। यह ब्रह्मास्त्र उन्होंने चला है, जिसका असर भी डोनाल्ड ट्रंप के ऊपर होता हुआ नजर आया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का यह कथन कि उन्होंने 1000 मिसाइल ईरान की तरफ तैनात कर दी हैं, यदि उनकी हत्या होती है तो इसके लिए ईरान जिम्मेदार होगा और ऐसे में उसे पूरी तरफ खत्म कर दिया जाएगा। इसी तरह ईरान ने भी अमेरिका और इजराइल को चेतावनी दे दी है कि वह अपने सर्वोच्च नेता की हत्या का बदला लेंगे। अपराधियों की पूरी सूची उन्होंने तैयार कर रखी है। ईरान की जनता ने जिस तरह से इमाम हुसैन की शहादत का बदला लिया था ठीक उसी तरह का बदला इन हत्यारों से लेगी। जिसके कारण पश्चिम एशिया में एक बार फिर से युद्ध का संकट बढ़ गया है। ईरान और अमेरिका एक दूसरे के ऊपर लगातार हमले कर रहे हैं।

युद्ध विराम को लेकर जो एक शांति का वातावरण बनता हुआ दिख रहा था वह एक बार फिर अशांति की ओर परिवर्तित हो रहा है। यदि यह युद्ध हुआ तो सारी दुनिया के देशों पर इसका असर पड़ेगा। अंततः युद्ध कभी किसी समस्या का हल नहीं होता, इसके लिए शांति-वार्ता के साथ बीच का रास्ता निकालना ही समझदारी होगी।

सात पुश्तों के लिए काली कमाई जोड़ कर बैठे हैं भ्रष्टाचारी अधिकारी!

मनोज कुमार अग्रवाल

देश में भ्रष्टाचार लाइलाज बीमारी बन रहा है जिससे आम आदमी को रोजाना दो चार होना पड़ रहा है। अंतरराष्ट्रीय संस्था ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार धारणा सूचकांक 2025 के अनुसार, भारत 91वें स्थान पर है।इस सूची में 182 देशों को शामिल किया गया था, जिसमें भारत को 100 में से 39 अंक मिले हैं। 0 अंक का अर्थ अत्यधिक भ्रष्ट और 100 अंक का अर्थ पूर्णतः पारदर्शी या ईमानदार होता है। इस रिपोर्ट के अनुसार, भारत की स्थिति में पिछली रैंकिंग के मुकाबले पांच स्थानों का सुधार हुआ है।

आपको बता दें कि देश के सिस्टम से जुड़े भ्रष्टाचार में लिप्त अधिकारियों के पास भ्रष्टाचार व पद का दुरुपयोग कर जमा की गयी अकूत चल अचल संपत्ति का भंडार है। भारत में भ्रष्टाचारी अधिकारियों की धर-पकड़ और उनसे अवैध रूप से अर्जित की गई संपत्ति को जब्त (राजसात) करने के लिए बेहद कड़े कानूनी प्रावधान और सक्रिय जांच एजेंसियां काम कर रही हैं। हाल ही में जुलाई 2026 में उत्तर प्रदेश विजिलेंस और कर्नाटक लोकायुक्त द्वारा की गई बड़ी छापेमारी इस बात का जीवंत उदाहरण हैं, जहां भ्रष्ट अधिकारियों के गुप्त लॉकरों से करोड़ों रुपये नकद और किलो के हिसाब से सोना बरामद किया गया है।

बता दें कि उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग (विजिलेंस टीम) ने जुलाई 2026 में आगरा के पूर्व सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी ललित कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक बड़ी कार्रवाई की है। विजिलेंस टीम ने उनके लखनऊ स्थित अलीगंज आवास पर छापेमारी कर करीब रू.35 करोड़ की बेहिसाब संपत्ति का खुलासा किया है, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत कानूनी जांच और कार्रवाई को तेज कर दिया गया है। उत्तर प्रदेश सतर्कता विभाग की छापेमारी में उनके घर के कोने-कोने से भारी मात्रा में घर के विभिन्न हिस्सों में पैकेटों में छिपाकर रखे गए रू.1.62 करोड़ नकद मिले।लगभग 13 किलोग्राम सोना और 9 किलोग्राम चांदी (बिस्किट, बार और आभूषण के रूप में) जब्त की गई, जिसकी कीमत करीब रू.20 करोड़ आंकी गई है। लखनऊ, नोएडा, बाराबंकी और रायबरेली में कई मकानों, भूखंडों (प्लॉट्स), फ्लैटों और कृषि भूमि से जुड़े दस्तावेज बरामद हुए हैं, जिनकी कीमत रू.13 करोड़ के आसपास है।बैंक खातों, म्यूचुअल फंड, फिक्स्ड डिपॉजिट और पोस्ट ऑफिस स्कीमों में रू.1 करोड़ से अधिक के निवेश के दस्तावेज मिले। इसके अलावा दो लग्जरी कारें इनोवा और आइ20 और एक रिवॉल्वर भी बरामद की गई है। रू.300 की घूस की शिकायत से खुला राज इस विशाल साम्राज्य का पदार्फाश साल 2020 में हुई एक छोटी सी शिकायत से शुरू हुआ था। ललित कुमार जब कानपुर में तैनात थे, तब उन पर ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए रू.300 की रिश्वत मांगने का आरोप लगा था। तत्कालीन परिवहन आयुक्त की अनुमति के बाद एंटी-करप्शन और विजिलेंस विभाग ने उनकी गोपनीय जांच शुरू की, जिससे उनकी आय से अधिक संपत्ति के इस बड़े मामले की परतें खुलती चली गईं। ललित कुमार अक्टूबर 2025 में आगरा से सेवानिवृत्त (रिटायर्ड) हुए थे।

इस से छह दिन पूर्व 4 जुलाई को अकोला अकोला में हाल ही में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने किरण पुरुषोत्तम चौधरी सह-जिला निबंधक तथा मुद्रांक जिलाधिकारी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की' उनके खिलाफ रू.10,000 रिश्वत लेने का मामला दर्ज होने के बाद उनके जलगांव स्थित आवास पर छापेमारी की गई, जहां से रू.2.94 करोड़ से अधिक की अवैध संपत्ति बरामद हुई है' किरण पुरुषोत्तम चौधरी, तत्कालीन अतिरिक्त जिला रजिस्ट्रार और स्टाम्प ड्यूटी अधिकारी (श्रेणी-क), अकोला महारा एसीबी ने उन्हें 26 जून को ?10,000 की रिश्वत लेते हुए पकड़ा था'बरामद की गई जलगांव स्थित घर पर छापेमारी कर रू.1.53 करोड़ से अधिक नकद रू.60 लाख के सोने के बिस्किट व आभूषण तथा अन्य कीमती धातुएं' लगभग रू.62 लाख की बेनामी संपत्ति के कागजात'लगभग रू.2.94 करोड़'यह जब्ती महाराष्ट्र के नासिक, अकोला और जलगांव की एसीबी टीमों द्वारा संयुक्त रूप से की गई है'

इसी सप्ताह तेलंगाना के हैदराबाद में भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस कंप्यूटर सर्विसेज में तैनात डिप्टी सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस संकीरेड्डी भीम रेड्डी को लगभग रू.300 करोड़ की अवैध बेनामी संपत्ति रखने के आरोप में गिरफ्तार किया है। एसीबी की टीम ने अधिकारी के तेलंगाना और कर्नाटक स्थित कुल 16 ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की थी। शुरूआती जांच में करीब रू.300 करोड़ मूल्य की बेनामी संपत्ति के दस्तावेज मिले हैं। अधिकारी के ठिकानों से 2 किलोग्राम सोने के आभूषण और 20 किलोग्राम चांदी बरामद की गई है। छापेमारी के दौरान उनके घर से ?3.60 लाख और एक अन्य ठिकाने से रू.40 लाख कैश मिला। रिश्तेदारों और बेनामियों के नाम पर 50 एकड़ से अधिक कृषि भूमि, व्यावसायिक भूखंड, कई लग्जरी फ्लैट और आलीशान विला के दस्तावेज जब्त किए गए हैं। उनके बैंक खातों में लगभग रू.19.91 लाख जमा पाए गए हैं। भ्रष्ट आचरण और आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में गिरफ्तारी के बाद एसीबी कोर्ट ने आरोपी डीएसपी भीम रेड्डी को 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में चंचलगुड़ा केंद्रीय जेल भेज दिया है।

25 फरवरी 2026 तीस हजार की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों पकड़े गए खनन विभाग के उप निदेशक देवव्रत महांति की गिरफ्तारी के बाद विजिलेंस की छापेमारी में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है।भुवनेश्वर स्थित उनके फ्लैट से 4 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी बरामद की गई । इसके अलावा, महांति के कार्यालय की दराज और उनके पास से 1.20 लाख रुपये नकद भुवनेश्वर के पहाल क्षेत्र में लगभग 2400 वर्गफुट में बना एक भव्य दो मंजिला मकान, करीब 130 ग्राम सोना जब्त किया है।

उधर 9 जून 2026 भ्रष्टाचार के खिलाफ एक बड़ी कार्रवाई में, तेलंगाना एंटी-करप्शन ब्यूरो ने रोड्स एंड बिल्डिंग्स विभाग के इंजीनियर-इन-चीफ जे. मोहन नाइक और उनके रिश्तेदारों से जुड़ी कई प्रॉपर्टीज पर एक साथ छापे मारे। उन पर आय के ज्ञात स्त्रोतों से कहीं ज्यादा संपत्ति जमा करने का आरोप है।

यह तलाशी हैदराबाद और राज्य के अन्य हिस्सों सहित लगभग 15 जगहों पर की गई। सूत्रों के मुताबिक, जांच के दौरान अधिकारियों को सोने के बिस्किट, गहने, चांदी की चीजें, कैश और प्रॉपर्टी से जुड़े कई दस्तावेज मिले हैं। शुरूआती अनुमानों के अनुसार, जांच के दायरे में आई कुल संपत्ति की मार्केट वैल्यू 100 करोड़ रुपए से ज्यादा हो सकती है।

ये तो सिर्फ बानगी नमूना भर है देश भर में करीब एक सौ सरकारी कर्मचारी अधिकारीयों के कब्जे से आय से अधिक जुटाई गयी करोड़ों अरबों की संपति मिल रही है। एक एक अधिकारी ने सौ से तीन चार सौ करोड़ तक की अवैध संपत्ति जुटाने का काम किया है जिस से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार किस हद तक बढ़ गया है।

केन्द्र में भारतीय जनतापार्टी की सरकार केन्द्र और विभिन्न प्रदेशों में आयी, भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टालरेंस का नारा तो रहा लेकिन स्थितियों में कोई विशेष अन्तर नहीं आया। इसके लिए सब कुछ डिजिटल आनलाइन करने की कवायद हुई वह चाहे टेंडर हो या अन्य जनउपयोगी सुविधाएं लेकिन राजस्व से लेकर कोई भी विभाग भ्रष्टाचार से मुक्त नहीं है। डबल इंजन की सरकार भी इससे मुक्त नहीं कर पायी है। भ्रष्टाचार के बारे जारी होने वाली ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल की 182 देशों की रिपोर्ट में भारत 91 वें स्थान पर है। यह संस्था सरकार संस्थाओं और सार्वजनिक क्षेत्र में भ्रष्टाचार की स्थिति का आकलन करती है और उसके आधार पर रैंकिंग तय करती है।यदि इस रैंक को न भी मानें तो भी आम आदमी से लेकर खास आदमी तक इससे प्रभावित है।सरकार को गंभीरता से विचार करना चाहिए कि भ्रष्टाचार समाप्त होने के बजाय निरन्तर बढ़ता ही जा रहा है। सार्वजनिक जीवन में अब इसे रिश्वत , घूस के बजाय सुविधाशुल्क और प्रथा के रूप में अपनाया जा चुका हैं। सिर्फ जीरो टालरेंस का नारा देने से भ्रष्टाचार समाप्त नहीं हो सकता है। निचले स्तर से लेकर उच्चस्तर पर कदम पर भ्रष्टाचार की विषबेल फैल रही हैं। पिछले दिनों एक हाइकोर्ट जज के आवास के कमरे में आग लगने पर नोटों से भरे बोरों का जलते देखा जाना और उस पर सटीक कारवाई नहीं किया जाने से पता चल जाता है कि भ्रष्टाचार के खिलाफ सरकार और यहां तक कि न्यायपालिका भी पर्याप्त गंभीर नहीं है। जाहिर है कि देश की उन्नति में भ्रष्टाचार एक बड़ी बाधा है सरकार को गंभीरता से सख्त कदम उठाने चाहिए और आम चुनाव का मुद्दा भी भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग ही होना चाहिए क्योंकि पुलिस पटवारी से लेकर ऊंची न्याय की कुर्सियों तक भ्रष्टाचार की जड़ें देश को खोखला कर रहीं हैं और देश की तरक्की में बाधा उत्पन्न कर रहीं हैं।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

चेन्नई में बजेगा बिग बैश का बिगुल भारत ऑस्ट्रेलिया खेल साझेदारी का नया अध्याय

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के रिश्तों में खेल कूटनीति का एक नया और ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड में घोषणा की कि ऑस्ट्रेलिया की प्रतिष्ठित टी-20 प्रतियोगिता बिग बैश लीग (बीबीएल) का उद्घाटन मुकाबला इस वर्ष 12 दिसंबर को चेन्नई के एम. ए. चिदंबरम स्टेडियम में खेला जाएगा। यह पहली बार होगा जब किसी विदेशी फ्रेंचाइजी क्रिकेट लीग का आधिकारिक मैच भारत की धरती पर आयोजित किया जाएगा। यह फैसला केवल क्रिकेट आयोजन भर नहीं बल्कि दोनों देशों के बीच बढ़ते विश्वास आर्थिक सहयोग और खेल आधारित साझेदारी का प्रतीक माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी अपने ऑस्ट्रेलिया दौरे के अंतिम दिन ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज के साथ मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड पहुंचे। उनके साथ ऑस्ट्रेलिया के महान क्रिकेटर स्टीव वॉ और पूर्व महिला क्रिकेटर लिसा स्थालेकर भी मौजूद रहे। इसी मंच से दोनों नेताओं ने भारत ऑस्ट्रेलिया स्पोर्ट्स कोलैबोरेशन रोडमैप भी लॉन्च किया जिसके माध्यम से खेल विज्ञान खेल अवसंरचना खेल व्यापार पर्यटन निवेश और बड़े खेल आयोजनों की मेजबानी जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

बिग बैश लीग पिछले डेढ़ दशक से ऑस्ट्रेलिया की सबसे लोकप्रिय टी-20 प्रतियोगिता रही है। अब तक इसके सभी मुकाबले केवल ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होते रहे हैं। ऐसे में चेन्नई में उद्घाटन मैच का आयोजन इस लीग के इतिहास का सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय विस्तार माना जा रहा है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया का मानना है कि दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट बाजार भारत में कदम रखने से लीग को नई पहचान और व्यापक दर्शक वर्ग मिलेगा। भारतीय दर्शकों की क्रिकेट के प्रति दीवानगी और विशाल प्रसारण बाजार को देखते हुए यह फैसला व्यावसायिक दृष्टि से भी बेहद महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

चेन्नई को इस ऐतिहासिक आयोजन के लिए चुनना भी अपने आप में विशेष महत्व रखता है। चेपॉक स्टेडियम भारतीय क्रिकेट के सबसे प्रतिष्ठित मैदानों में गिना जाता है। यहां के दर्शक खेल भावना और क्रिकेट की गहरी समझ के लिए दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। ऐसे वातावरण में मेलबर्न रेनेगेड्स और पर्थ स्कॉर्चर्स के बीच उद्घाटन मुकाबला दोनों देशों के क्रिकेट प्रेमियों के लिए एक यादगार अवसर बनेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के लिए क्रिकेट केवल खेल नहीं बल्कि साझा जुनून है। उन्होंने कहा कि मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंड हर भारतीय के लिए विशेष महत्व रखता है क्योंकि इस मैदान से भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कई ऐतिहासिक मुकाबलों की यादें जुड़ी हैं। उन्होंने कहा कि जब भी उनकी और प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मुलाकात होती है तब क्रिकेट दोनों नेताओं के बीच संवाद और मित्रता का माध्यम बन जाता है।

मोदी ने यह भी कहा कि भारत में किसी भी खेल लीग का आयोजन उसे करोड़ों दर्शकों तक पहुंचा देता है। यही कारण है कि दुनिया की कई खेल संस्थाएं भारत के विशाल खेल बाजार की ओर आकर्षित हो रही हैं। बिग बैश लीग का भारत आना इसी बदलते वैश्विक खेल परिदृश्य का प्रमाण है। इससे भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों को विश्व स्तरीय विदेशी लीग का अनुभव अपने देश में मिलेगा जबकि ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट को भी नए व्यावसायिक अवसर प्राप्त होंगे।

दोनों देशों ने खेलों को आर्थिक विकास और सांस्कृतिक सहयोग का महत्वपूर्ण माध्यम भी माना है। भारत जहां वर्ष 2030 में कॉमनवेल्थ खेलों की मेजबानी की तैयारी कर रहा है वहीं वर्ष 2036 के ओलंपिक आयोजन की मेजबानी के लिए भी प्रयासरत है। दूसरी ओर ऑस्ट्रेलिया वर्ष 2032 के ब्रिस्बेन ओलंपिक की मेजबानी करेगा। ऐसे में खेल अवसंरचना प्रशिक्षण तकनीक और आयोजन प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में सहयोग दोनों देशों के लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भी खुलकर सराहना की। उन्होंने स्टीव वॉ की मानसिक दृढ़ता और लिसा स्थालेकर के हरफनमौला प्रदर्शन का उल्लेख करते हुए कहा कि महान खिलाड़ी केवल प्रतिभा से नहीं बल्कि अनुशासन सही सोच और लगातार मेहनत से बनते हैं। उन्होंने युवा खिलाड़ियों से इन दिग्गजों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया।

ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने भी इस घोषणा को ऐतिहासिक बताया। उन्होंने कहा कि पहली बार बिग बैश लीग ऑस्ट्रेलिया से बाहर आयोजित होगी और भारत इसका सबसे उपयुक्त स्थान है। उन्होंने कहा कि चेन्नई में होने वाला मुकाबला केवल क्रिकेट मैच नहीं बल्कि ऑस्ट्रेलिया महोत्सव की शुरूआत भी होगा जिसमें खेल संस्कृति व्यापार और पर्यटन से जुड़े अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इससे दोनों देशों के लोगों के बीच संपर्क और भी मजबूत होगा।

खेल सहयोग के साथ दोनों देशों ने आर्थिक और सामरिक संबंधों को भी नई गति दी है। प्रधानमंत्री मोदी और एंथनी अल्बनीज की बैठक में रक्षा व्यापार शिक्षा ऊर्जा और महत्वपूर्ण खनिजों सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा हुई। भारत को ऑस्ट्रेलिया से यूरेनियम आपूर्ति संबंधी समझौते को भी आगे बढ़ाया गया। इसके अलावा कृषि और व्यापार से जुड़े मुद्दों पर भी सकारात्मक बातचीत हुई। भारत और न्यूजीलैंड के बीच कृषि उत्पादों पर शुल्क और व्यापार नियमों में संभावित बदलाव पर भी चर्चा की संभावना जताई जा रही है क्योंकि ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद प्रधानमंत्री मोदी न्यूजीलैंड रवाना हो गए हैं।

न्यूजीलैंड यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री वहां की सरकार के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे और लगभग चालीस हजार भारतीय मूल के लोगों को संबोधित भी करेंगे। इस यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच व्यापार निवेश शिक्षा कृषि और हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग को नई दिशा देना है। इससे पहले इंडोनेशिया और ऑस्ट्रेलिया की यात्राओं के दौरान भी भारत ने रणनीतिक और आर्थिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में कई महत्वपूर्ण समझौते किए हैं। भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका का प्रभाव अब खेल जगत में भी स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पहले जहां विदेशी खिलाड़ी केवल भारतीय प्रीमियर लीग में भाग लेने भारत आते थे वहीं अब विदेशी लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करने के लिए उत्सुक हैं। यह भारत की खेल अर्थव्यवस्था मीडिया बाजार और दर्शकों की अपार शक्ति का परिणाम है। आने वाले वर्षों में यदि अन्य अंतरराष्ट्रीय लीग भी भारत में अपने मुकाबले आयोजित करती हैं तो इससे भारतीय खेल उद्योग को नई ऊंचाइयां मिल सकती हैं। चेन्नई में बिग बैश लीग का उद्घाटन मुकाबला केवल एक क्रिकेट मैच नहीं बल्कि भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच विश्वास साझेदारी और साझा भविष्य की नई शुरूआत का प्रतीक है। यह आयोजन दोनों देशों के खेल संबंधों को नई दिशा देगा और यह संदेश भी देगा कि खेल केवल प्रतिस्पर्धा का माध्यम नहीं बल्कि देशों को जोड़ने वाली सबसे प्रभावशाली कड़ी भी है। आने वाले समय में यह साझेदारी खेल संस्कृति व्यापार और जनसंपर्क के अनेक नए अवसरों का द्वार खोल सकती है।

संक्षिप्त समाचार

ज्वारना—बंगियाल सड़क के डामरीकरण की मांग

कंडीसौड़ (टिहरी)। ज्वारना–बंगियाल मोटर मार्ग के लांगू झकोगी से ज्वारना–कंस्यूड तक पिछले 15 वर्षों से डामरीकरण नहीं होने पर क्षेत्रवासियों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। सड़क का शीघ्र डामरीकरण की मांग को लेकर जिला पंचायत सदस्य राजेंद्र सिंह रांगड़ व सुनील जुयाल ने लोनिवि चंबा के ईई राजविंदर सिंह बघेल को ज्ञापन सौंपकर समस्या बताई।

ज्ञापन में कहा गया है कि ज्वारना–बंगियाल मोटर मार्ग क्षेत्र की लाइफ लाइन है। इसी मार्ग से कई गांवों के लोग आवागमन करते हैं। मसूरी–देहरादून की ओर भी बड़ी संख्या में वाहन गुजरते हैं। लंबे समय से सड़क का डामरीकरण नहीं होने के कारण सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है जिससे दुर्घटनाओं का खतरा भी बना रहता है।

क्षेत्र पंचायत और जिला पंचायत की बैठकों में भी कई बार यह समस्या प्रमुखता से उठाई गई लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। यदि दो माह के भीतर सड़क का डामरीकरण नहीं किया गया तो क्षेत्र के लोग लोनिवि कार्यालय में धरना–प्रदर्शन और अधिकारियों का घेराव करने को बाध्य होंगे।

बिना भुगतान शपथपत्र लेने पर भड़के लखवाड़ बांध प्रभावित

नैनबाग (टिहरी)। लखवाड़ बांध से प्रभावित प्रभावित काश्तकारों और बेरोजगार युवाओं ने मुआवजा भुगतान, रोजगार व अधिग्रहित भूमि का उचित मूल्य देने सहित लंबित मांगों को लेकर बैठक की। बैठक में प्रभावितों ने आरोप लगाया कि उनकी परिसंपत्तियों का पूरा मुआवजा दिए बिना ही उन पर शपथपत्र भरवाने का दबाव बनाया जा रहा है जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा। रविवार को बंदरकोट में आयोजित बैठक में वक्ताओं ने कहा कि परियोजना के डूब क्षेत्र में आने वाली भूमि के अलावा छानियों, घराट, खेत–खलिहान, फलदार एवं गैर फलदार पेड़ों समेत अन्य परिसंपत्तियों का अब तक पूरा मुआवजा नहीं मिला है लेकिन प्रभावित काश्तकारों से भूमि का कब्जा छोड़ने के लिए पहले ही शपथपत्र लेने की प्रक्रिया शुरू कर रहा है।

कहा जब तक सभी काश्तकारों की परिसंपत्तियों का पूरा भुगतान नहीं हो जाता तब तक वे कोई शपथपत्र नहीं देंगे। लखवाड़ बांध संघर्ष समिति के अध्यक्ष महिपाल सिंह सजवाण ने प्रभावित काश्तकारों व स्थानीय बेरोजगार युवाओं के साथ न्यायपूर्ण व्यवहार नहीं करने का आरोप लगाया। कहा कि परियोजना में स्थानीय युवाओं को प्राथमिकता के आधार पर रोजगार देने और आवश्यक पद सृजित करने की मांग कई बार उठाई गई लेकिन अब तक कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं हुई।

प्राथमिक शिक्षक 17 को जिला मुख्यालय पर करेंगे प्रदर्शन

कर्णप्रयाग। रविवार को गौचर में आयोजित उत्तराखंड राज्य प्राथमिक शिक्षक संगठन की बैठक में आगामी 17 जुलाई को जिला मुख्यालय पर होने पर प्रदर्शन पर चर्चा की गई। शिक्षकों ने कहा कि जब तक उनकी मांगों पर कार्रवाई नहीं होती तब तक चरणबद्ध आंदोलन जारी रहेगा। संगठन के जिलाध्यक्ष दिगंबर सिंह नेगी ने कहा कि टीईटी की बाध्यता खत्म करने, पुरानी पेंशन योजना लागू करने सहित अन्य मांगों के लिए शिक्षक चरणबद्ध आंदोलन कर रहे हैं। इसके तहत 17 जुलाई को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन किया जाएगा। उन्होंने अधिक संख्या में शिक्षकों को कार्यक्रम में शामिल होने की बात कही है। बैठक में जिलामंत्री मुकेश नेगी, जिला कोषाध्यक्ष प्रेम सिंह, दिनेश बिष्ट, मनोज भट्ट, देवेंद्र लाल आदि मौजूद थे।

डॉ. भगत सिंह बने नेह ट्रस्ट फाउंडेशन के राष्ट्रीय संरक्षक

गोपेश्वर। नगर क्षेत्र में युवा प्रतिभागियों के उन्नयन और महिला सशक्तीकरण पर काम कर रहे नेह ट्रस्ट फाउंडेशन का रविवार को विस्तार किया गया जिसमें युवाओं को जिम्मेदारियां दी गईं। फाउंडेशन में डॉ. भगत सिंह राणा को राष्ट्रीय संरक्षक, प्रकाश चंद्र को उत्तराखंड राज्य सांस्कृतिक प्रभारी तथा जितेंद्र सिंह नेगी को उत्तराखंड राज्य युवा प्रकोष्ठ प्रभारी बनाया गया। इस दौरान व्यक्तित्व विकास कार्यक्रम, गायन एवं काव्य पाठ की आकर्षक प्रस्तुतियों के साथ सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। महिला सशक्तीकरण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए मीना तिवारी, संतोषी कुंवर, संगीता देवी और उषा रमोला को सम्मानित किया गया। इस मौके पर फाउंडेशन के निदेशक सुनील पुंडीर, मीडिया प्रभारी एवं कोषाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी, भागचंद सावन और राकेश चंद्र त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

डॉक्टर नवीन डिमरी के निधन पर नारायणबगड़ बाजार रहा बंद

नारायणबगड़। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नारायणबगड़ के चिकित्सा प्रभारी डॉक्टर नवीन डिमरी के आकस्मिक निधन पर रविवार को स्थानीय लोगों, व्यापारियों और शिक्षक कर्मचारियों ने शोक सभा कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। उनके निधन पर सभी व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे।

शनिवार को अस्पताल परिसर में क्षतिग्रस्त दीवार का खोखला हिस्सा भरभराकर गिरने से मलबे में दबकर डॉक्टर नवीन डिमरी की मौत हो गई थी। रविवार को अस्पताल परिसर में आयोजित शोकसभा में उनके चित्र पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए और उन्हें नम आंखों से श्रद्धांजलि दी गई। सभी ने दो मिनट का मौन धारण कर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और शोकसंतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। दूसरी ओर शोक में नारायणबगड़ बाजार बंद रहा। डॉ. डिमरी के निधन पर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर है। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि दलीपसिंह नेगी, पूर्व व्यापार संघ अध्यक्ष रघुवीर सिंह नेगी, विनोद मलेठा, ग्राम प्रधान देवेंद्र कोहली, पूर्व प्रधान रमेश गुसाईं, वीर भरत सिंह नेगी, अनिल नैनवाल, कलम सिंह नेगी सहित बड़ी संख्या में लोगों ने शोक जताया।

उत्तराखण्ड मुक्त विश्वविद्यालय और आरएनटीयू भोपाल के बीच एमओयू संपन्न

हल्द्वानी। उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय हल्द्वानी और रविन्द्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय (आरएनटीयू) भोपाल के बीच शैक्षणिक एवं अनुसंधान सहयोग को मजबूत करने के लिए शनिवार को समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह एमओयू आरएनटीयू के कुलाधिपति प्रो. संतोष चौबे की उपस्थिति में संपन्न हुआ।

उत्तराखंड मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. नवीन चंद्र लोहनी और आरएनटीयू के कुलपति प्रो. रवि प्रकाश दुबे की मौजूदगी में दोनों विश्वविद्यालयों के अधिकृत प्रतिनिधियों ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान आरएनटीयू की कुलसचिव डॉ. संगीता जौहरी भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर प्रो. लोहनी ने कहा कि यह समझौता दोनों विश्वविद्यालयों के बीच ज्ञान, अनुभव और संसाधनों के आदान–प्रदान का मजबूत माध्यम बनेगा। बदलते उच्च शिक्षा परिदृश्य में संस्थानों के बीच सहयोग जरूरी है।

ज्ञानसू में गड्ढों में तब्दील हुआ गंगोत्री नेशनल हाईवे

उत्तरकाशी। जिला मुख्यालय से सटे ज्ञानसू कस्बे में गंगोत्री राष्ट्रीय राजमार्ग की बदहाल स्थिति एक बार फिर लोगों के लिए परेशानी का सबब बन गई है। करीब एक वर्ष पहले जून माह में 90 लाख रुपये की लागत से ज्ञानसू से तेखला तक कराया गया डामरीकरण उखड़ चुका है। सड़क पर जगह–जगह गहरे गड्ढे बन गए हैं जिससे राहगिरों के साथ वाहन चालकों का चलना मुश्किल हो गया है। हाईवे पर कई गड्ढे इतने बड़े हैं कि उनमें दोपहिया वाहन तक समा सकता है। पानी भर जाने से उनकी गहराई का अंदाजा नहीं लग पाता जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी हुई है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वर्षों से जर्जर इस सड़क के डामरीकरण से राहत की उम्मीद थी, लेकिन निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर शुरुआत से ही सवाल उठते रहे।कुछ ही महीनों में सड़क की परत उखड़ने लगी और अब दूसरे मानसून में हालात पहले से भी बदतर हो गए हैं। लोगों का कहना है कि पिछले वर्ष बरसात के बाद बीआरओ ने गड्ढों की स्थायी मरम्मत करने के बजाय उनमें मिट्टी भरकर खानापूर्ति की थी। इससे कुछ समय के लिए आवागमन सुचारु हुआ लेकिन मिट्टी उड़ने से धूल की समस्या बढ़ी और इस वर्ष बारिश में वह भी बह गई।

नतीजतन सड़क फिर बड़े–बड़े गड्ढों में तब्दील हो गई है। पालिका सभासद मनीष पंवार, स्थानीय निवासी आनंद पंवार समेत अन्य लोगों ने बीआरओ की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए सड़क निर्माण की गुणवत्ता की जांच कराने और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

सोलर प्लांट से इन्वर्टर चोरी का आरोपी गिरफ्तार

गोपेश्वर। सोलर प्लांट से हुए लाखों रुपये की चोरी का खुलासा करते हुए चमोली पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया 100 किलोवाट क्षमता का सोलर इन्वर्टर भी बरामद कर लिया गया है। पुलिस के अनुसार 11 जुलाई को एस एंड एस एनर्जी सिस्टम प्राइवेट लिमिटेड के साइट सुपरवाइजर हरीश चंद्र शेखर, निवासी ग्राम लासी ने कोतवाली चमोली में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि कंपनी के 200 किलोवाट क्षमता वाले सोलर प्लांट से लगभग 3.5 लाख रुपये मूल्य का 100 किलोवाट का सोलर इन्वर्टर चोरी हो गया है। एसपी सुरजीत सिंह पंवार के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी मदन सिंह बिष्ट के पर्यवेक्षण में गठित पुलिस टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू की। पूछताछ के आधार पर पुलिस ने अंकित सिंह, निवासी ग्राम लासी को गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से सोलर इन्वर्टर भी बरामद कर लिया गया है।

बरसात में डूब रही सड़क, घरों में घुस रहा पानी

नई टिहरी। मास्टर प्लान सिटी बौराड़ी सेक्टर 8 बी में लोनिवि मार्ग पर हो रहे जलभराव से लोग परेशान हैं। चार–पांच सालों से बनी समस्या का अभी तक समाधान नहीं हो पाया है। सड़क पर पानी भरने से जहां लोगों को पैदल चलना भी मुश्किल हो गया है वहीं पानी अब लोगों के घरों में भी घुस रहा है।

बौराड़ी लोनिवि मार्ग पर मिलन केंद्र के आसपास बरसात में जलभराव की समस्या लंबे समय से बनी है।

स्थानीय निवासी राजेश तोपवाल और आशा तोपवाल ने डीएम को दिए ज्ञापन में बताया कि सड़क पर बरसात का पानी जमा होने पर कई बार उनके घरों में घुस जाता है जिससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। उन्होंने बताया कि पानी भरने पर वहां से पैदल निकलना भी मुश्किल हो जाता है।

उन्होंने डीएम को दिए पत्र में कहा कि 15 दिनों के भीतर समस्या का समाधान नहीं किया जाता है तो उन्हें कलेक्ट्रेट में धरने पर बैठने को मजबूर होना पड़ेगा। ईओ वासुदेव डंगवाल का कहना है कि बौराड़ी 8 बी में जहां जलभराव की समस्या हो रही है वहीं नालियां पूरी तरह से साफ करवा दी है। पालिका आजकल सड़क डामरीकरण का कार्य करा रही है। इस दौरान उस सड़क को ढ़ालदार बना कर बरसाती पानी की निकासी सुनिश्चित करा दी जाएगी।

श्रीदेव सुमन विवि को जल्द नए कुलपति मिलने की उम्मीद

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय में स्थायी कुलपति की नियुक्ति की प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच गई है। लंबे समय से चल रही चयन प्रक्रिया के बाद इस माह के अंत तक विवि को नया स्थायी कुलपति मिलने की उम्मीद है। नए कुलपति की नियुक्ति के साथ ही विवि में शिक्षकों और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों की भर्ती प्रक्रिया, आधारभूत सुविधाओं का विकास और लंबित प्रशासनिक कार्यों में तेजी आने की संभावना जताई जा रही है। श्रीदेव सुमन विवि के कुलपति प्रो. एनके जोशी का तीन साल का कार्यकाल बीते 11 अप्रैल 2026 को पूरा हो गया था। नए कुलपति की नियुक्ति समय पर नहीं हो पाने के कारण राज्यपाल एवं कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेनि) ने 10 अप्रैल को प्रो.जोशी का कार्यकाल छह माह और नए कुलपति की नियुक्ति होने तक बढ़ा दिया था। विवि सूत्रों के अनुसार कुलपति चयन के लिए करीब 120 आवेदन प्राप्त हुए थे। सर्च कमेटी ने आवेदन पत्रों का परीक्षण के बाद लगभग 20 नामों का पैनल तैयार किया है। इन दिनों अंतिम चयन की प्रक्रिया चल रही है। इसी माह के अंत तक विवि में नए कुलपति की नियुक्ति होने की संभावना है। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय से गढ़वाल मंडल के 52 राजकीय महाविद्यालय, करीब 150 निजी और अशासकीय महाविद्यालय संबद्ध हैं। इसके अलावा विवि ऋषिकेश, गोपेश्वर और चंद्रबदनी विवि के तीन अपने कैंपस कॉलेज है।

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा के लिए 42 सदस्यीय दल रवाना

गोपेश्वर। संस्कृति विभाग उत्तराखंड की ओर से देहरादून से होने वाली सोमनाथ स्वाभिमान पर्व यात्रा में भाग लेने के लिए चमोली जिले का 42 सदस्यीय दल रविवार को रवाना हो गया। दायित्वधारी हरक सिंह और मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने गोपेश्वर बस स्टैंड से दल को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। दल में दुकानदार, स्ट्रीट वेंडर्स, मार्केट एसोसिएशन के सदस्य तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, एमएसएमई और सेवा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हैं। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि यात्रा का उद्देश्य प्रतिभागियों को सोमनाथ क्षेत्र में हुए विकास कार्यों से अवगत कराना, पर्यटन, तीर्थाटन और स्वरोजगार के नए अवसरों की जानकारी देना है। उन्होंने कहा कि यात्रा से प्राप्त अनुभवों के आधार पर चमोली जिले में पर्यटन और विकास से संबंधित नई कार्ययोजनाएं तैयार की जाएंगी। यात्रा के नोडल अधिकारी एवं जिला भेषज संघ के सचिव विवेक मिश्रा ने बताया कि यात्रा 13 जुलाई को देहरादून के हर्रावाला रेलवे स्टेशन से शुरू होगी और 19 जुलाई को देहरादून पहुंचेगी। इस मौके पर एडीएम विवेक प्रकाश, नगर पालिका अध्यक्ष संदीप रावत, भेषज संघ अध्यक्ष सतेंद्र असवाल, भाजपा जिला महामंत्री विनोद कनवासी, चंद्रकला बिष्ट, सुशीला सेमवाल और गीता बिष्ट आदि मौजूद रहे।

कभी पंचायत घर, कभी खुले आसमान के नीचे लग रही कक्षाएं

नई टिहरी। भिलंगना ब्लॉक में मेड गांव का खैंणी प्राथमिक स्कूल भवन जर्जर होने के बाद क्लास कभी पंचायत घर, कभी खुले आसमान के नीचे तो कभी जर्जर भवन में चलाने की मजबूरी बनी है। वर्ष 2022 से नया स्कूल भवन बनाने का प्रस्ताव विभाग में धूल फांक रहा है लेकिन भवन निष्प्रयोज्य प्रमाणपत्र संलग्न करने के बाद भी विभाग स्कूल में पढ़ रहे छात्र–छात्राओं की सुध नहीं ले रहा है।

बूढ़ाकेदार क्षेत्र में मेड गांव का प्राथमिक स्कूल खैंणी चार–पांच साल से जीर्ण–शीर्ण स्थिति में है। अब भवन इतनी जर्जर स्थिति में पहुंच गया है कि वहां स्कूल का संचालन करना बड़ा जोखिमभरा हो सकता है। खतरे को देखते हुए बरसात में स्कूल पास में स्थित पंचायत घर के एक कमरे में संचालित करना पड़ रहा है। वहां एक छोटे कमरे में कक्षा एक से पांच तक के 17 बच्चों की पढ़ाई में व्यवधान पैदा होना स्वाभाविक है। ऐसी स्थिति में बरसात में छात्र स्कूल जाने की औपचारिकता ही निभाते हैं। स्थिति यह है कि पंचायत घर में पानी और शौचालय की व्यवस्था भी नहीं है। बरसात रुकने के बाद कक्षाएं जर्जर भवन के आंगन में खुले आसमान के नीचे चलानी पड़ रही है। इस दौरान तेज धूप और बारिश होने पर बच्चों को उस जर्जर भवन के एक कमरे में ही बैठाने के अलावा उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता है। प्रभारी प्रधानाध्यापक चतर सिंह राणा ने कहा कि स्कूल भवन जर्जर होने के बाद किसी तरह व्यवस्था बनाई जा रही है।

छाम झूला पुल डूब गया बांध की झील में, नया नहीं बना

कंडीसौड़ (टिहरी)। टिहरी बांध की झील में समाए छाम–बैल्डोगी झूला के बदले नया पुल बनाने की मांग पूरी नहीं हो पाई है जिससे दोनों क्षेत्र के दर्जनों गांव के लोगों को झील का जलस्तर कम होने पर लंबा सफर तय करने को मजबूर होना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने छाम–बैल्डोगी झूला पुल का प्रस्ताव टिहरी झील पर्यटन क्षेत्र कनेक्टिविटी योजना (रिंग रोड) में शामिल करने की मांग की है।

थौलधार ब्लॉक और चिन्यालीसौड़ ब्लॉक के दिचली–गमरी पट्टी के दर्जनों गांवों के आवागमन के लिए छाम–बैल्डोगी के बीच बनाया गया झूला वर्ष 2005–06 में टिहरी बांध की झील में समा गया था। उसके बाद लोगों के आवागमन के लिए पुनर्वास निदेशालय की ओर से बोट सेवा शुरू की गई है लेकिन गर्मियों में बांध की झील का जलस्तर कम होने पर करीब चार महीने यह सेवा बंद हो जाती है जिससे दोनों क्षेत्र के लोगों को वाया चिन्यालीसौड़ होते हुए 40 किमी का लंबा सफर तय करना पड़ता है। इससे परेशान लोग पुराने झूला पुल के बदले नया झूला पुल बनाने की मांग करते आ रहे हैं लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है। इससे क्षेत्र के लोगों में खासी नाराजगी है। प्रधान सुमन सिंह गुसाईं, आरसी खंडूड़ी, बलदेव कुमाईं और पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य शैला देवी गुसाईं आदि ने कंडीसौड़ में नए पुल का प्रस्ताव टिहरी झील पर्यटन क्षेत्र कनेक्टिविटी विकास योजना (रिंग रोड) में शामिल करने की मांग की है।

हल्द्वानी में धावकों ने दिखाया दमखम

हल्द्वानी। जिला प्रशासन और खेल विभाग के समन्वय से हल्द्वानी स्पोर्ट्स स्टेडियम में अनुसूचित जाति अंडर 19 जिला एथलीट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। खेल निदेशालय के दिशा–निर्देशन में हुई स्पर्धा में बालक और बालिका वर्ग में 146 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। बालक वर्ग की 100 मीटर दौड़ में हेमंत कुमार, दिवाकर, अक्षय आर्य, 200 मीटर में हेमंत, सूरज, शुभ, 400 मीटर में नीरज कुमार, करण आर्य दिव्यांशु टम्टा, 800 मीटर में नीरज कुमार, दीपक कुमार, अजय और 1500 मीटर दौड़ में दीपक कुमार दिव्यांशु टम्टा, हितेश ने प्रथम तीन स्थान हासिल किया। गोला फेंक में विनीत कुमार, सुधांशु कुमार, अक्षय आर्य ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान पाया। रिले दौड़ में कालाढूंगी, हल्द्वानी स्टेडियम टीम और गौलापार स्टेडियम की टीम शीर्ष तीन स्थान पर रहीं। बालिका वर्ग 100 मीटर में नमिता, निशा, अंजलि, 200 मीटर में नमिता, निशा, आरती आर्य, 400 मीटर में छाया, कृतिका, दीप्ति, 800 मीटर में हिमानी आर्य, कृतिका, छाया, 1500 मीटर में हिमानी आर्य, आरती, यशिका ने बाजी मारी। गोला फेंक में खुशी आर्य, अंजलि, निशा अव्वल रहीं। रिले रेस में

हल्द्वानी स्टेडियम टीम, गौलापार स्टेडियम टीम और कालाढूंगी स्टेडियम टीम क्रमशः पहले, दूसरे और तीसरे स्थान पर रहीं। इससे पूर्व स्पर्धा का शुभारंभ मुख्य अतिथि दायित्वधारी मनोज कालाकोटी और मोहन पाठक ने किया। उन्होंने विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया। जिला क्रीड़ाधिकारी डॉ. निर्मला पंत ने बताया कि चयनित खिलाड़ियों का 10 दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया जाएगा। निर्णायक सुरेश चंद्र पांडे, महेश फर्त्याल, महेश बिष्ट रहे। वहां त्रिलोक सिंह जीना, शशि देवी, नेहा बिष्ट, सौरव गुप्ता, पुष्कर पांडे, तन्मय रावत, बृजेश तिवारी आदि रहे।

महिला डॉक्टर के खाते से एक लाख उड़ाए

हल्द्वानी। शहर में में साइबर ठगों का नेटवर्क तेजी से पैर पसार रहा है। साइबर अपराधी लोगों की इंटरनेट गतिविधियों पर पैनी नजर रख रहे हैं और फर्जी हेल्पलाइन नंबरों के जरिये वारदात को अंजाम दे रहे हैं। इस बार ठगों ने मेडिकल कॉलेज परिसर की एक डॉक्टर के खाते से एक लाख रुपये उड़ा लिए।

मेडिकल कॉलेज कैंपस परिसर के जे ब्लॉक निवासी डॉ. हिमानी ने हल्द्वानी कोतवाली में दी तहरीर में कहा कि छह जुलाई को एक्सिस बैंक खाते से उसकी अनुमति के बगैर एक लाख रुपये निकल गए। यह जानकारी बैंक से मिले एसएमएस के माध्यम से हुई। जांच में पता चला कि रकम यूपीआई के माध्यम से कटी है। इस पर तत्काल साइबर अपराध पोर्टल में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस के अनुसार मोबाइल से कस्टमर केयर नंबर सर्च करने के बाद महिला डॉक्टर से ठगी हुई है।

पिछले महीने भी इस तरह हुई ठगी

काठगोदाम निवासी बुजुर्ग सेवाप्रकाश चौधरी ने 20 जून को सैमसंग कंपनी के टोल फ्री नंबर का पता लगाने के लिए गूगल पर सर्च किया। उन्होंने एक नंबर पर कॉल किया लेकिन वह उठा नहीं। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर कॉल आई और कॉलर ने खुद को सैमसंग कंपनी का कर्मचारी बताया। व्यक्ति के भेजे लिंक को खोलने पर बुजुर्ग के एसबीआई के खाते से 16 लाख से अधिक की रकम निकाल ली गई।

चौपाटी के खिलाफ पहाड़ी आर्मी ने किया प्रदर्शन

हल्द्वानी। चित्रशिला घाट को जाने वाले रास्ते पर खोली गई चौपाटी के ध्वस्तीकरण की मांग को लेकर पहाड़ी आर्मी ने शनिवार को तहसील में नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने सिटी मजिस्ट्रेट के माध्यम से मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा। पहाड़ी आर्मी का कहना था कि चित्रशिला घाट और मां गार्गी के तट पर इस तरह के कार्य किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि यदि सात दिन के भीतर चौपाटी को ध्वस्त करने के साथ मंदिर की भूमि को खुर्द–बुर्द करने वालों के खिलाफ एफआईआर दर्ज नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शनकारियों में अध्यक्ष हरीश रावत, राजेंद्र कांडपाल, प्रेमा मेर, कविता, हरेंद्र सिंह राणा, मोहन बोरा, देवेंद्र सिंह, विनोद नेगी आदि थे। बता दें कि भूमि विवाद संबंधी शिकायतें मिलने के बाद चौपाटी को सील कर दिया गया था। अधिकारियों के मुताबिक जब तक भूमि के स्वामित्व की स्थिति साफ नहीं होती तब तक मौके पर यथास्थिति बनाए रखने के निर्देश दिए गए हैं।

जयन्त

संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा 28, न्यू डिफेंस एन्क्लेव, डांडा नूरीवाला, सहस्रधारा रोड़, देहरादून उत्तराखण्ड से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र जिला मुख्यालय देहरादून, उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. UTTHIN/2005/16338

संक्षिप्त समाचार

पाकिस्तान के पीएम शहबाज़ शरीफ़ की ईरान के राष्ट्रपति से बातचीत, कहा-स्थायी शांति के लिए मध्यस्थ बनने को तैयार है पाकिस्तान

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज़ शरीफ़ ने शुक्रवार को ईरान के नए राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियान से फोन पर एक बेहद महत्वपूर्ण बातचीत की। इस बातचीत में उन्होंने बदलते वैश्विक व क्षेत्रीय घटनाक्रमों के बीच शांति कायम रखने के लिए संयम और कूटनीति की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। पीएम शहबाज़ शरीफ़ ने देर रात सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म 'एक्स' (ट्विटर) पर पोस्ट साझा कर इस बातचीत की विस्तृत जानकारी दी। शहबाज़ शरीफ़ ने अपनी पोस्ट में लिखा, 'आज मैंने अपने भाई और ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेशकियान से बात की। हमने बदलते हुए ताज़ा हालात पर विस्तार से चर्चा की और इस बात पर ज़ोर दिया कि हाल के महीनों में क्षेत्र में जो शांति स्थापित हुई है, उसे बचाने के लिए सभी पक्षों द्वारा संयम, आपसी बातचीत और कूटनीति का रास्ता अपनाना बेहद ज़रूरी है।' समाचार के अनुसार, वर्तमान में अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को कम करने, शांति स्थापित कराने तथा संभावित युद्ध के संकट को पूरी तरह ख़त्म कराने के लिए पाकिस्तान मध्यस्थता की कोशिशों में जुटा हुआ है।

नेपाल में भारतीय पर्यटक की मौत, तैरने के लिए नाव से झील में लगाई थी छलांग

काठमांडू, एजेंसी। नेपाल पुलिस ने शुक्रवार को बताया कि नेपाल की एक झील में तैरते समय एक भारतीय पर्यटक की मौत हो गई। यह घटना कास्की जिले के पोखरा महानगरपालिका में स्थित फेवा झील में घटी। मृतक की पहचान बिहार निवासी 28 वर्षीय रोहित कुमार के रूप में हुई है। वह नाव में सवार थे और तैरने के लिए नाव से कूद गए थे। कास्की जिला पुलिस के प्रवक्ता बीरेंद्र कुमार पासवान ने बताया कि वह शाम करीब 5 बजे लापता हो गया था और सशस्त्र पुलिस बल की एक टीम ने उसे बचा लिया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि उन्हें वेस्टर्न रीजनल हॉस्पिटल ले जाया गया जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

नाइजीरिया : मई में आतंकवादियों ने अगवा किए थे कई छात्र, एक समूह को बचाया गया

अबूजा, एजेंसी। नाइजीरिया की सरकार ने शुक्रवार को बताया कि देश के दक्षिण-पश्चिमी ओयो राज्य में मई में मुस्लिम आतंकवादियों द्वारा अगवा किए गए छात्रों के एक समूह को बचा लिया गया है। सरकारी प्रवक्ता बायो ओनानूगा ने बचाए गए छात्रों की कुल संख्या नहीं बताई, लेकिन अधिकारियों ने 15 मई को दो माध्यमिक विद्यालयों से अपहरण के समय कहा था कि 40 से अधिक लोगों का अपहरण किया गया था। ओनानूगा ने बताया कि इस अभियान के तहत आठ आतंकवादियों को गिरफ्तार किया गया। दक्षिणी राज्य ओयो में हुए अपहरणों ने देश के सुरक्षा संकट में वृद्धि का संकेत दिया है क्योंकि इससे पहले इस तरह के अधिकांश अपहरण उत्तर में हुए थे।

ब्रिटेन : पुलिस ने पूर्व संसद सदस्य ऐन विडेकोम्बे की हत्या के संदिग्ध को किया गिरफ्तार

लंदन, एजेंसी। पुलिस ने बताया कि ब्रिटेन की पूर्व सांसद और रियलिटी टीवी प्रतियोगी ऐन विडेकोम्बे की हत्या के संदेह में शुक्रवार को 26 वर्षीय एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। 78 वर्षीय विडेकोम्बे गुरुवार को दक्षिण-पश्चिम इंग्लैंड के डार्टमूर नेशनल पार्क के बाहरी इलाके में स्थित अपने हेटोर वेले स्थित घर में गंभीर चोटों के साथ मृत पाई गईं। डेवॉन और कॉर्नवाल पुलिस के सहायक मुख्य कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने कहा कि इस हत्या को आतंकवादी कृत्य नहीं माना जा रहा है और ऐसी कोई जानकारी नहीं है जिससे यह संकेत मिले कि यह राजनीतिक रूप से प्रेरित थी।

नासा के अनिल मेनन 14 जुलाई को अंतरिक्ष के लिए होंगे रवाना

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के भारतवंशी अंतरिक्ष यात्री अनिल मेनन 14 जुलाई को कजाखस्तान स्थित बैकानूर कॉस्मोड्रोम (अंतरिक्ष प्रक्षेपण स्थल) से अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए आठ महीने के मिशन पर रवाना होंगे। वह आपात चिकित्सा के चिकित्सक व अमेरिकी अंतरिक्ष बल में कर्नल हैं। वह भारत में एक वर्ष तक रोटरी एंबेसडोरियल स्कॉलर के रूप में रहे और पोलियो टीकाकरण अभियान के अध्ययन और समर्थन का कार्य किया। अमेरिकी वायुसेना में अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने 'ऑपरेशन एंड्यूरिंग फ्रीडम' के तहत अफगानिस्तान में अग्रिम मोर्चे पर सेवा दी। मेनन (49) ने हिमालयन रेस्क्यू एसोसिएशन के लिए माउंट एवरेस्ट पर पर्वतारोहियों का इलाज किया।

चीन का नया कानून बना तिब्बत के लिए संकट, मानवाधिकारों का हो रहा घोर उल्लंघन

बीजिंग, एजेंसी। तिब्बत में लगातार मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन बहुत तेजी से हो रहा है। चीन एक नए कानून के जरिए तिब्बती लोगों को जबरदस्ती अपनी संस्कृति में ढालने की कोशिश कर रहा है। इंटरनेशनल कैंपेन फॉर तिब्बत के निदेशक रयान फियोरेसी ने इसे लेकर बहुत गहरी चिंता जताई है। यह नीतियां तिब्बतियों की स्वतंत्र सांस्कृतिक पहचान के लिए एक बहुत ही बड़ा खतरा बन चुकी हैं।

चीन ने 1 जुलाई से 'एथनिक यूनिटी एंड प्रोग्रेस लॉ' को पूरी तरह से लागू कर दिया है। यह नया कानून ऐसी क्रूर नीतियों को कानूनी मान्यता देता है जिनका मुख्य उद्देश्य तिब्बत की अलग पहचान कमजोर करना है। बीजिंग की यह जबरन एकीकरण नीति तिब्बतियों के मौलिक अधिकारों को बहुत बुरी तरह छीन रही है। दुनिया को अब इसके खिलाफ एकजुट होकर अपनी बहुत ही कड़ी आवाज तत्काल उठानी होगी।

चीनी सरकार का तानाशाही कानून : फियोरेसी ने स्पष्ट किया कि चीन के नए कानून की कई बातें उसके अपने संविधान के सख्त खिलाफ जाती हैं। इसके अलावा यह अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार प्रतिबद्धताओं का भी एक सीधा और बहुत बड़ा उल्लंघन माना जा रहा है। आईसीटी ने संयुक्त राष्ट्र और कई देशों की सरकारों से इस गंभीर मुद्दे पर तत्काल हस्तक्षेप करने की अपील की है। चीन इस खतरनाक कानून के जरिए तिब्बती लोगों की आवाज को बहुत बुरी तरह से दबा रहा है।

दलाई लामा का 91वां जन्मदिन : आईसीटी के निदेशक रयान फियोरेसी ने यह अहम बात वॉशिंगटन में दलाई लामा के 91वें जन्मदिन के मौके पर कही। इस विशेष कार्यक्रम में अमेरिकी सरकारी अधिकारी, राजनयिक और तिब्बती समुदाय के कई लोग मुख्य रूप से शामिल हुए थे। नागरिक समाज के कई प्रतिनिधियों और पत्रकारों ने भी इस महत्वपूर्ण आयोजन में अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सभी ने एकजुट होकर तिब्बत की वर्तमान स्थिति और चीनी नीतियों पर अपनी गहरी चिंता व्यक्त की।

करुणा और अहिंसा का संदेश : फियोरेसी ने जोर देकर कहा कि आज के समय में दुनिया के कई हिस्सों में लगातार भारी संघर्ष चल रहे हैं। ऐसे में दलाई लामा का करुणा और अहिंसा का संदेश पूरी दुनिया के लिए बहुत ही ज्यादा महत्वपूर्ण है। उनका यह संदेश सरल जरूर है लेकिन इसमें देशों के बीच बिगड़े रिश्तों को पूरी तरह बदलने की भारी ताकत है। शांति के रास्ते पर चलकर ही ऐसे पुराने और जटिल विवादों को सही तरीके से सुलझाया जा सकता है।

अंतरराष्ट्रीय दबाव की बड़ी जरूरत : आईसीटी ने अमेरिका सहित सभी देशों की सरकारों से चीन पर कड़ा अंतरराष्ट्रीय दबाव बनाने की बहुत भारी अपील की है। संगठन का दृढ़ मानना है कि चीन को दलाई लामा या उनके विशेष प्रतिनिधियों के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए। तिब्बत के इस गंभीर मुद्दे का स्थायी समाधान केवल शांतिपूर्ण बातचीत के जरिए ही पूरी तरह निकाला जा सकता है। इस अहम बातचीत में तिब्बती लोगों की वर्तमान चिंताएं बहुत ही प्रमुखता से शामिल होनी चाहिए।

वास्तविक स्वायत्तता और मूल अधिकार : इस बातचीत में तिब्बती लोगों की लंबे समय से चली आ रही चिंताओं को मुख्य रूप से शामिल किया जाना चाहिए। उन्हें अपने क्षेत्र में वास्तविक स्वायत्तता और सभी बुनियादी मूल अधिकार मिलने बहुत ही ज्यादा जरूरी हैं। दलाई लामा साल 1959 में अपना देश तिब्बत छोड़कर भारत आ गए थे और तब से धर्मशाला में रह रहे हैं। उन्हें 1989 में शांतिपूर्ण तरीके से समाधान खोजने के लिए विश्व प्रसिद्ध नोबेल पुरस्कार मिला था।

अमेरिका का तिब्बत नीति कानून : अमेरिका ने साल 2002 के तिब्बत नीति कानून के तहत तिब्बत मामलों के लिए एक विशेष समन्वयक का अहम पद बनाया था। यह खास कार्यालय तिब्बत को लेकर सभी अमेरिकी नीतियों में एक बहुत ही बेहतर तालमेल स्थापित करता है। यह चीनी अधिकारियों और तिब्बती प्रतिनिधियों के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने का काम भी बहुत ही जिम्मेदारी से करता है। यह तिब्बतियों को उनके अधिकार दिलाने और शांति स्थापित करने की एक बहुत बड़ी और सकारात्मक पहल है।

चीन में बारिश ने मचाई तबाही! 95 हजार से ज्यादा लोग घर छोड़ने को मजबूर, कई इलाकों में रेड अलर्ट

बीजिंग, एजेंसी। चीन की राजधानी बीजिंग इस समय भीषण प्राकृतिक आपदा का सामना कर रही है। शुक्रवार को हुई मूसलाधार बारिश ने शहर के कई हिस्सों में जनजीवन को पूरी तरह से ठप कर दिया है। बीजिंग नगर बाढ़ नियंत्रण कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, शुक्रवार सुबह आठ बजे से शाम पांच बजे तक पूरे शहर में रिकॉर्ड तोड़ बारिश दर्ज की गई है। सबसे खराब स्थिति शहर के बाहरी इलाके पिंगगू जिले में देखी गई, जहां एक स्थानीय बाजार क्षेत्र में 164 मिमी तक पानी बरस गया, जिससे चारों ओर जलभराव की स्थिति पैदा हो गई।

95 हजार से अधिक लोगों का रेस्क्यू : प्रशासन ने भारी बारिश और संभावित बाढ़ के खतरे को देखते हुए बड़े पैमाने पर बचाव अभियान शुरू किया है। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, शुक्रवार शाम तक 36,279 परिवारों के कुल 95,657 लोगों को उनके घरों से निकालकर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे बिना किसी आपातकालीन कार्य के अपने घरों से बाहर न निकलें और मौसम विभाग द्वारा जारी चेतावनियों का पालन करें। फिलहाल राहत की बात यह है कि शहर के सभी बड़े और मध्यम आकार के जलाशय अपनी अधिकतम जल-सीमा से नीचे बने हुए हैं। हालांकि, खतरा अभी टला नहीं है। मौसम विभाग ने अनुमान जताया है कि शुक्रवार की रात और शनिवार को भी कई इलाकों में मध्यम से लेकर मूसलाधार बारिश जारी रह सकती है। प्रशासन ने अपनी आपातकालीन टीमों को अलर्ट पर रखा है ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके।

दोहरे टाइफून का खतरा : चीन के लिए चिंता केवल बीजिंग की बारिश तक सीमित नहीं है। जल संसाधन मंत्रालय के अनुसार, टाइफून मायसक और टाइफून बावी के कारण देश की कई प्रमुख नदियों में बाढ़ का खतरा पैदा हो गया है। टाइफून 'मायसक' की वजह से दक्षिणी चीन के गुआंग्शी झुआंग ऑटोनॉमस रीजन में पहले ही भीषण बारिश हो चुकी है, जिससे पर्ल नदी क्षेत्र के कई हिस्सों में गंभीर बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए गुआंग्शी और पड़ोसी ग्वांगडोंग प्रांत में 'रेड अलर्ट' जारी कर दिया गया है। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि सुपर टाइफून 'बावी' चीन के पूर्वी तट की ओर तेजी से बढ़ रहा है। इसके प्रभाव से आने वाले एक सप्ताह के भीतर देश के छह प्रमुख नदी क्षेत्रों में भारी तबाही और बाढ़ आने की आशंका है। जल संसाधन मंत्रालय ने संबंधित विभागों को जलाशयों की सुरक्षा सुनिश्चित करने, पहाड़ी इलाकों में अचानक आने वाली बाढ़ की निगरानी करने और जल परियोजनाओं की नियमित जांच करने के सख्त निर्देश दिए हैं।

फ़िलिपींस में बावी तूफ़ान का हाहाकार, भूस्खलन में 15 लोगों की मौत, ताइवान, जापान और चीन में हाई अलर्ट

मनीला/ताइपे, एजेंसी। दक्षिणी फ़िलिपींस में दशकों के सबसे शक्तिशाली और विनाशकारी चक्रवाती तूफ़ानों में से एक 'बावी' ने भीषण तबाही मचाई है। तूफ़ान के प्रभाव के कारण हुए भीषण भूस्खलन की चपेट में आने से अब तक कम से कम 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इस चक्रवात के विकराल रूप को देखते हुए पूर्वी एशिया के कई देशों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है। यह महातूफ़ान क़रीब 1,000 किलोमीटर (620 मील) से अधिक के विशाल क्षेत्र में फैला हुआ है, जिसका आकार लगभग फ़्रांस के बराबर बताया जा रहा है। वर्तमान में यह प्रशांत महासागर से होते हुए ताइवान की ओर तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। तूफ़ान के चलते फ़िलिपींस के मिंडानाओ द्वीप पर मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। भारी बारिश के कारण हुए भूस्खलन की वजह से कई परिवार मलबे की चपेट में आ गए हैं। आपदा प्रबंधन और बचाव दल की टीमें मौके पर मुस्तैदी से जुटी हुई हैं और मलबे में लापता हुए लोगों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मौसम विभाग की चेतावनियों के बाद पड़ोसी देशों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जा रहे हैं:

ताइवान और जापान: मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, इस विशाल तूफ़ान के कारण ताइवान के उत्तरी व पूर्वी हिस्सों के साथ-साथ जापान के दूरदराज़ के द्वीपों में अत्यधिक भारी बारिश होने की आशंका है।

चीन: अनुमान जताया गया है कि यह तूफ़ान शनिवार को दक्षिण-पूर्वी चीन के तटीय इलाकों से टकरा सकता है जिसके चलते तटीय क्षेत्रों में अलर्ट जारी कर दिया गया है। तूफ़ान की गंभीरता को देखते हुए प्रभावित होने वाले संभावित क्षेत्रों में कई घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय उड़ानें रद्द कर दी गई हैं। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र स्कूलों में क्लासेज़ को पूरी तरह स्थगित कर दिया गया है। वहीं, संभावित लॉकडाउन या संकट की स्थिति से निपटने के लिए स्थानीय नागरिकों में आवश्यक वस्तुओं को खरीदने की होड़ मच गई है, जिसके कारण सुपरमार्केट की कई शेल्फ़ पूरी तरह खाली हो चुकी हैं। प्रशासन ने लोगों से घरों में रहने और आधिकारिक निर्देशों का पालन करने की अपील की है।

पूर्व ब्रिटिश सांसद एन विडिकॉम्ब की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या, पुलिस ने 26 वर्षीय युवक को किया गिरफ्तार

लंदन/डेवोन, एजेंसी। ब्रिटेन की जानी-मानी राजनीतिज्ञ और पूर्व सांसद 78 वर्षीय एन विडिकॉम्ब की उनके घर में संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या किए जाने का एक बेहद चौंकाने वाला मामला सामने आया है। डेवोन के डार्टमूर स्थित उनके आवास पर विडिकॉम्ब का शव गंभीर चोटों के साथ बरामद हुआ, जिसके बाद समूचे ब्रिटिश राजनीतिक हलके में शोक और आक्रोश की लहर दौड़ गई है।

पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए 26 वर्षीय एक ब्रिटिश नागरिक को हत्या के संदेह में गिरफ्तार कर लिया है। डेवोन और कॉर्नवाल पुलिस के अनुसार, एम्बुलेंस सेवा को गुरुवार सुबह करीब 11:40 बजे डेवोन के हेयटोर स्थित उनके घर 'विडिकॉम्ब्स रेस्ट' में उनका शव मिला। शुरुआती जांच के बाद पुलिस ने पास के ही न्यूटन एबट इलाके से एक संदिग्ध युवक को दबोच लिया, जिससे फिलहाल हिरासत में पूछताछ की जा रही है। एक्सेटर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में असिस्टेंट चीफ कांस्टेबल मैट लॉन्गमैन ने स्पष्ट किया कि शुरुआती जांच और आतंकवाद विरोधी अधिकारियों के साथ विमर्श के बाद इस हमले में किसी भी प्रकार के आतंकवादी या राजनीतिक मकसद को खारिज कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि जांच अभी शुरुआती चरण में है और पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर काम कर रही है।

ब्रिटेन के शीर्ष नेताओं ने व्यक्त किया गहरा शोक : इस भीषण घटना के बाद ब्रिटेन के राजनीतिक दलों के नेताओं ने राजनीति से ऊपर उठकर इस कृत्य की निंदा की है और दुख जताया है: प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने इस घटना पर गहरा दुख जताते हुए कहा, 'यह बेहद चौंकाने वाली खबर है। एन कई वर्षों तक एक प्रतिष्ठित राजनीतिज्ञ रहीं और उनका जाना एक बहुत बड़ी क्षति है। इस दुखद घड़ी में हम सभी की संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं।' कंज़रवेटिव पार्टी की नेता केमी बैडेनोच ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा, 'मैं इस खबर से स्तब्ध हूं। समझ नहीं आता कि कोई एक बुजुर्ग महिला के साथ ऐसा भयानक और क्रूर कृत्य कैसे कर सकता है। इस दुखद खबर से हमारी पार्टी गहरे सदमे में है।' लिब डेम नेता एड डेवी ने इसे एक अत्यंत भयावह घटना बताते हुए कहा कि एन ने अपना पूरा जीवन लोक सेवा के लिए समर्पित कर दिया था।

राजनीति के साथ-साथ टीवी जगत में भी थीं मशहूर : एन विडिकॉम्ब 1987 से 2010 तक कंज़रवेटिव पार्टी की सांसद और पूर्व मंत्री रहीं। बाद में 2019 में वे 'ब्रेक्सिट पार्टी' (अब रिफॉर्म यूके) में शामिल हुईं और 2020 तक यूरोपीय संसद की सदस्य रहीं। राजनीति के अलावा वे ब्रिटिश टीवी जगत का भी एक जाना-माना चेहरा थीं और 'स्ट्रिक्टली कम डांसिंग' और 'सेलिब्रिटी बिग ब्रदर' जैसे बेहद लोकप्रिय रियलिटी शोज़ का हिस्सा रह चुकी थीं। फिलहाल पुलिस की मेजर क्राइम इन्वेस्टिगेशन टीम ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी है और फोरेंसिक साक्ष्य जुटाए जा रहे हैं। मुख्य जांच अधिकारी इलोना रॉसन ने जनता से अपील की है कि वे सोशल मीडिया पर किसी भी तरह की अफवाहों या अटकलों से बचें, क्योंकि यह जांच को प्रभावित करने के साथ-साथ पीड़ित परिवार के लिए और अधिक दुखद हो सकता है।

बहामास में प्लेन क्रैश, आजादी के जश्न के बीच 10 लोगों की मौत; सरकार ने सस्पेंड की विमान सेवाएं

नासाऊ, एजेंसी। कैरेबियाई देश बहामास से एक बेहद दुखद खबर सामने आई है। शुक्रवार को बहामास की आजादी की 53वीं सालगिरह के मौके पर पूरा देश जश्न में डूबा था, लेकिन एक भीषण विमान हादसे ने इस खुशी को गहरे मातम में बदल दिया। नॉर्थ एंड्रॉस के पास एक छोटा निजी विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया, जिसमें सवार सभी 10 लोगों की मौत हो गई है। यह इलाका राजधानी नसाऊ के पश्चिम में समुद्र में स्थित है।

प्रधानमंत्री ने की मौत की पुष्टि : शुरुआती जानकारी में बचाव कार्यों के दौरान यह उम्मीद जताई गई थी कि कम से कम एक व्यक्ति जीवित बचा है। बहामास के प्रधानमंत्री फिलिप ब्रेव डेविस ने शुरू में एक ह्यह्नह्ल1द्व1श्रह्की सूचना दी थी, लेकिन बाद में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान उन्होंने बताया कि उस व्यक्ति ने भी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रधानमंत्री ने इस घटना पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि हम गहरे दुख के साये में हैं। जो परिवार आज अपने प्रियजनों के घर लौटने का इंतजार कर रहे थे, उन्हें यह दुखद खबर मिली है। हम उनके प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।

हादसे का शिकार हुआ सेसना 402 विमान : बहामास एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट इन्वेस्टिगेशन अथॉरिटी द्वारा जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, दुर्घटनाग्रस्त विमान 'सेसना 402' था, जो बहामास में ही रजिस्टर्ड था। यह विमान नसाऊ के लिंडन पिंडलिंग इंटरनेशनल एयरपोर्ट से सैन एंड्रॉस के लिए उड़ान भर रहा था लेकिन गंतव्य तक पहुंचने से पहले ही यह हादसे का शिकार हो गया। फिलहाल मृतकों की पहचान उजागर नहीं की गई है। फ्लेमिंगो एयर की उड़ानें सस्पेंड इस घातक दुर्घटना के बाद बहामास सरकार ने कड़ा रुख अपनाते हुए 'फ्लेमिंगो एयर' के एयर ऑपरेटर सर्टिफिकेट को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। ऊर्जा, यूटिलिटी और एविएशन मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि यह कदम सुरक्षा के मद्देनजर एक एहतियाती उपाय के रूप में उठाया गया है।

एक ही दिन में दो घटनाएं : एविएशन मंत्री जोबेथ कोल्बी-डेविस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि यह निलंबन केवल इस क्रैश की वजह से नहीं, बल्कि शुक्रवार को हुई सुरक्षा से जुड़ी दो अलग-अलग घटनाओं के कारण किया गया है। पहली घटना में फ्लेमिंगो एयर का एक विमान मायागुआना जा रहा था लेकिन तकनीकी खराबी के कारण पायलट को विमान वापस नसाऊ मोड़ना पड़ा। राहत की बात यह रही कि यात्रियों के सुरक्षित उतरने के बाद विमान में आग लगी। इस दूसरी घटना और प्लेन क्रैश, दोनों की गहन जांच के आदेश दे दिए गए हैं। चीन आमतौर पर सैन्य कर्मियों की मौत की जानकारी सार्वजनिक नहीं करता और उसने इस घटना पर कोई आधिकारिक बयान भी जारी नहीं किया है।

भारत और न्यूजीलैंड ने अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाया: पीएम लक्सन

ऑकलैंड, एजेंसी। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने शनिवार को घोषणा की कि भारत और न्यूजीलैंड अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने पर सहमत हुए हैं। इसका मकसद द्विपक्षीय सहयोग को गहरा करना और आने वाले सालों में जुड़ाव बढ़ाने के लिए एक बड़ा फ्रेमवर्क देना है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे को दोनों देशों के संबंधों में एक अहम पड़ाव बताया और कहा कि यह 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा है। ऑकलैंड में पीएम मोदी के साथ प्रतिनिधिमंडल स्तर की बातचीत में प्रधानमंत्री लक्सन ने कहा, 'यह सच में एक ऐतिहासिक घटना है, जैसा कि आपने और मैंने कल रात बात की थी, 40 सालों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का न्यूजीलैंड का पहला दौरा। यह दौरा न्यूजीलैंड-भारत के संबंधों में भी एक अहम पड़ाव है। जब मैं पिछले साल भारत आया था, तो आपने मेरा और मेरे प्रतिनिधिमंडल का बहुत गर्मजोशी और बहुत उदारता से स्वागत किया था। इसलिए मुझे आपका यहां स्वागत करते हुए बहुत खुशी हो रही है। द्विपक्षीय संबंधों को आगे बढ़ाने के लिए पीएम मोदी के व्यक्तिगत प्रतिबद्धता के लिए उनका शुक्रिया अदा करते हुए, लक्सन ने कहा कि बातचीत मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) से आगे बढ़ेगी और दोनों देशों के बीच पूरी साझेदारी को बढ़ाने पर फोकस करेगी। उन्होंने आगे कहा, 'इस संबंध के लिए धन्यवाद और इसमें आपने जो भी किया है, उसके लिए भी धन्यवाद। मुझे लगता है कि हमने व्यापार एजेंडा पर बहुत कम समय में जबरदस्त तरक्की की है। लेकिन आज का फोकस सिर्फ एफटीए से कहीं ज्यादा है। यह इस बारे में है कि हम इस संबंधों में आगे कहां जाते हैं और हम इसे कैसे बड़ा करते हैं और मुझे पता है कि हमने ऐसा किया है। मुझे यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि हम एक रणनीतिक साझेदार बनाने जा रहे हैं जो इस संबंधों को और ज्यादा फ्रेमवर्क और गहराई देगी ताकि हम यहां से आगे बढ़ते हुए इसे और बढ़ा सकें।' इसके अलावा, पीएम लक्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि न्यूजीलैंड और भारत भले ही हिंद-प्रशांत के दो अलग-अलग छोर पर हों, लेकिन एफटीए के जरिए आर्थिक संबंधों को बढ़ाने में भौगोलिक दूरी आड़े नहीं आई है। लक्सन ने कहा, 'न्यूजीलैंड और भारत हिंद-प्रशांत के बीच में हैं, लेकिन हमारी अर्थव्यवस्था को बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने में दूरी कोई रुकावट नहीं है। हम अपने एफटीए के जरिए यही कर रहे हैं।

आसमान में मौत से मुकाबला: उड़ान के बीच खिड़की उखड़ने से हवा में खिंचा यात्री; फिर कैसे बची शख्स की जान?

माल्टा, एजेंसी। माल्टा एयर की एक फ्लाइट में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब उड़ान के दौरान विमान की एक खिड़की अपनी जगह से उखड़ गई। इस हादसे में 61 वर्षीय एक यात्री का सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की ओर खिंच गए। विमान में मौजूद अन्य यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर वापस अंदर खींच लिया, जिससे उसकी जान बच गई। यात्री को गर्दन और कंधे में चोटें आईं, साथ ही शरीर पर रगड़ लगने से जलन जैसी चोटें भी आईं। ग्रीस के एक अस्पताल के अधिकारी ने नाम न बताने की शर्त पर यह जानकारी दी।

कहां जा रही थी फ्लाइट : यह घटना उत्तरी ग्रीस के शहर थेसालोनिकी से जर्मनी के म्यूनिख के पास स्थित मेम्मिंगेन जा रही सुबह की फ्लाइट में हुई। इस विमान का संचालन रायनएयर की सहयोगी एयरलाइन माल्टा एयर कर रही थी। रायनएयर ने अपने बयान में कहा कि उड़ान भरने के कुछ ही देर बाद यात्री वाली एक खिड़की उड़ान के दौरान अपनी जगह से निकल गई, जिसके बाद विमान को वापस थेसालोनिकी लौटाना पड़ा।

खिड़की उखड़ते ही विमान में क्या हुआ : यात्रियों के मुताबिक, अचानक जोरदार धमाके जैसी आवाज सुनाई दी। इसके तुरंत बाद ऑक्सीजन मास्क नीचे आ गए और विमान तेजी से ऊंचाई कम करने लगा। इससे विमान में बैठे लोगों के बीच घबराहट फैल गई और कई यात्री चीखने लगे।

यात्रियों ने कैसे बचाई उस शख्स की जान : थेसालोनिकी रेडियो से बातचीत में क्रिस्टिना नाम की एक महिला यात्री ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर लोग सो रहे थे। तभी जोरदार धमाका हुआ और सभी समझ गए कि विमान के केबिन का दबाव कम हो गया है। उस व्यक्ति का पूरा सिर, गर्दन और कंधे खिड़की से बाहर की तरफ खिंच गए थे। उसके पास बैठे यात्रियों ने तुरंत उसे पकड़कर अंदर खींच लिया। क्रिस्टिना ने आगे कहा कि आवाज बिल्कुल फटे हुए टायर जैसी थी, लेकिन उससे भी कहीं ज्यादा तेज। उसके बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा। चारों तरफ चीख पुकार मच गई थी।

कैसे सुरक्षित उतारा गया विमान : एयरलाइन के अनुसार, विमान सुरक्षित तरीके से थेसालोनिकी हवाई अड्डे पर उतार लिया गया। सभी यात्रियों को टर्मिनल पर वापस ले जाया गया। घायल यात्री को जमीन पर ही चिकित्सकीय सहायता दी गई। बाद में यात्रियों को जर्मनी भेजने के लिए दूसरा विमान उपलब्ध कराया गया।

कौन कर रहा हादसे की जांच : अमेरिका की राष्ट्रीय परिवहन सुरक्षा बोर्ड (एनटीएसबी) ने बताया कि उन्हें सूचना मिली है कि विमान को दाहिने इंजन में आई समस्या और केबिन के दबाव में कमी आने के कारण वापस लौटना पड़ा। एजेंसी ने कहा कि जरूरत पड़ने पर वह जांच में सहयोग करेगी। इस हादसे की मुख्य जांच रिपब्लिक ऑफ नॉर्थ मैसेडोनिया की एयरक्राफ्ट एक्सीडेंट एंड इंसिडेंट इन्वेस्टिगेशन कमेटी करेगी।

कितना पुराना था विमान : यह विमान बोइंग 737-800 मॉडल का था, जिसमें अधिकतम 189 यात्री सफर कर सकते हैं। फ्लाइट ट्रैकिंग वेबसाइट फ्लाइटराडार24 के अनुसार, यह विमान वर्ष 2008 में नया होने के बाद रायनएयर को सौंपा गया था। उड़ान के रिकॉर्ड बताते हैं कि विमान ने उड़ान भरने के करीब छह मिनट बाद लगभग 15 हजार फुट की ऊंचाई हासिल कर ली थी। इसके तुरंत बाद वह तेजी से नीचे उतरकर करीब छह हजार फुट की ऊंचाई पर आ गया।

श्री हनुमानजी को खुश करने के शुभ उपाय

हनुमानजी की पूजा मंगलवार, त्रयोदशी, चतुर्दशी और खास दिनों होती है। हिन्दू धर्म के सबसे जाग्रत और सर्वशक्तिशाली देवताओं में एकमत्र हनुमानजी की कृपा जिस पर बरसरना शुरू होती है उसका कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता। दस दिशाओं और चारों युग में उनका प्रताप है। आओ जानते हैं कि उन्हें किस तरह प्रसन्न किया जा सकता है।

- हनुमान चालीसा : प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढें। वह भी एक ही जगह बैठकर।
- तीन कोनों वाला दीपक : प्रतिदिन हनुमानजी के समक्ष तीन कोनों वाला दीपक जलाएं। दीपक में चमेली का तेल हो।
- चौला चढ़ाएं : जब भी इच्छा हो हनुमानजी को चौला चढ़ाएं। इसमें जनेऊ, लंगोट, सिंदूर, तुलसी की माला, ध्वज, चमेली का तेल, लाल फूल आदि सामग्री होती है।
- हनुमानजी का जाप करें : ऊँ श्री हनुमंते नमः का प्रतिदिन 108 बार जाप करें या साबरमंत्र को सिद्ध करें।
- श्रीराम का जाप करें : प्रतिदिन श्रीराम जी के नाम का विधिवत जाप करें।
- सुंदरकाण्ड पढ़ें : माह में एक बार सुंदरकांड और बजरंगबाण का पाठ करें।
- भोग लगाएं : हनुमानजी को मंगलवार, शनिवार या हनुमान जयंती पर पंच मेवा, केसरिया बूंदी लड्डू, इमरती, बेसन के लड्डू, चूरमा, रोठ, मालपुआ या मलाई-मिश्री के लड्डू का भोग लगाएं।
- हनुमान पूजा : प्रत्येक मंगलवार को व्रत रखकर विधिवत रूप से हनुमानजी की पूजा करें। यदि आप घोर संकट से घिरे हैं या आप हनुमानजी की पूर्ण भक्ति करना चाहते हैं तो फिर आपको मांस, मदिरा और सभी तरह का व्यवसन त्याग कर ब्रह्मचर्य का पालन करते हुए प्रतिदिन विधि-विधान से हनुमानजी की पूजा या उनके मंत्र या नाम का जप करना चाहिए। हनुमानजी के साथ ही भगवान राम, लक्ष्मण और जानकी माता की भी पूजा अच्छे से करें।
- पान का बीड़ा : अपने सुनी होगी एक प्रचलित लोकोक्ति 'बीड़ा उठाना'। इसका अर्थ होता है- कोई महत्वपूर्ण या जोखिमभरा काम करने का उत्तरदायित्व अपने ऊपर लेना। यदि आपके जीवन में कोई घोर संकट है या ऐसा काम है जिसे करना आपके बस का नहीं है, तो आप अपनी जिम्मेदारी हनुमानजी को सौंप दें। इसके लिए आप मंगलवार के दिन किसी मंदिर में पूजा-पाठ करने के बाद उन्हें पान का बीड़ा अर्पित करें। रसीला बनारसी पान चढ़ाकर मांग लीजिए मनचाहा वरदान।
- गुड़-चने का प्रसाद : हनुमानजी को गुड़ और चने का प्रसाद तो अक्सर चढ़ाया ही जाता है। यह मंगल का उपाय भी है। इससे मंगल दोष मिटता है। यदि आप कुछ भी चढ़ाने की क्षमता नहीं रखते या किसी और कारण से चढ़ा नहीं पाते हैं तो सिर्फ गुड़ और चना ही चढ़ाकर हनुमानजी को प्रसन्न कर सकते हैं। हर मंगलवार और शनिवार को हनुमानजी को गुड़ और चने का भोग लगाएं। इससे आपकी सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। हालांकि आजकल गुड़ की जगह चिरौंजी ज्यादा मिलती है लेकिन चने के साथ गुड़ का ही संयोग होता है।

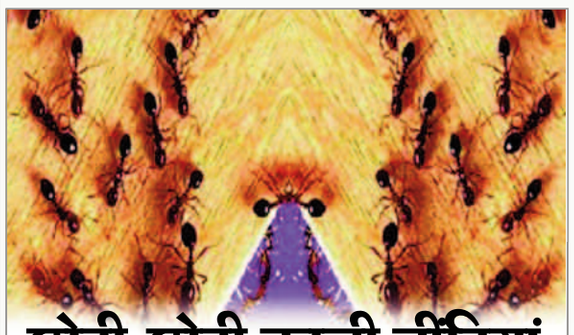

छोटी-छोटी काली चींटियां किस्मत के बड़े बड़े दरवाजे खोल देती हैं

हर घर में कई बार थोड़ी-बहुत चींटियां दिखाई पड़ती हैं। कुछ लाल तो कुछ काली नजर आती ही है। ये चींटियां खासकर खाने के सामान के इर्द-गिर्द अधिक दिखाई पड़ती हैं। आपको बता दें कि घर में लाल चींटी और काली चींटी अलग-अलग बातों का संकेत देती हैं। आज हम आपके लिए लेकर आए हैं कुछ खास जानकारी, जिसमें आप जानेंगे कि छोटी-छोटी दिखाई देने वाली काली चींटियां कैसे आपकी किस्मत के बड़े-बड़े दरवाजे खोल सकती हैं।

- अगर आपके घर में काली चींटियां आ रही हैं तो सुख और ऐश्वर्य वाला समय आने के संकेत देती हैं।
- काली चींटियों को शकर या आटा खिलाना शुभ होता है। इससे पितृ देव प्रसन्न होते हैं।
- अगर चावल के भरे बर्तन से चींटियां निकल रही हैं तो यह शुभ संकेत है। कुछ ही दिनों में धन वृद्धि हो सकती है। यह आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी होने का संकेत है।
- वास्तु की मानें तो काली चींटियों में भगवान श्रीहरि विष्णु का वास माना जाता है। अतः घर में काली चींटियां निकलना एक तरह जीवन में खुशहाली तथा सुख-समृद्धि बढ़ने का संकेत माना जाता है।
- पूर्व दिशा से चींटियां आ रही हैं तो सकारात्मक सूचना आपके घर आ सकती है।
- पश्चिम दिशा से चींटियां आ रही हैं तो यात्रा के योग बन सकते हैं।
- काली चींटियां उत्तर दिशा से आती हैं तो धन के लिहाज से शुभ संकेत होते हैं।
- दक्षिण दिशा से आ रही हों तो मंगलकारी सूचना मिल सकती है।
- घर में रखें हुए गोल्ड की चीजों के आसपास यदि काली चींटियां निकलते दिखे तो यह बहुत ही शुभ माना जाता है, इसका अर्थ आपको नए आभूषण प्राप्त होने का संकेत समझा जाता है।
- काली चींटियां भौतिक सुख वाली चीजों के लिए शुभ मानी जाती है।

वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है

हिन्दू धर्म में ब्रह्मांड और समय को लेकर जो वृहत्तर धारणा है इसी के आधार पर पौराणिक इतिहास को प्रतिष्ठित और अनुष्ठानों को संपन्न किए जाने का क्रम प्रचलित रहा है। आओ पढ़ते हैं एक विशेष लेख को जिसके माध्यम से आप जान पाएंगे कि वर्तमान में हिन्दू काल गणना के आधार पर कौन सा समय चल रहा है।

वैदिक ऋषि मण्डल के अनुसार वर्तमान सृष्टि पंच मण्डल क्रम वाली है। यह है- 1. चन्द्र मंडल, 2.पृथ्वी मंडल, 3.सूर्य मंडल, 4.परमेष्ठी मंडल और 5.स्वायम्भू मंडल। ये उत्तरोत्तर यानि एक के बाद दूसरे मण्डल का चक्कर लगा रहे हैं। जैसे चन्द्र पृथ्वी के, पृथ्वी सूर्य के, सूर्य परमेष्ठी के, परमेष्ठी स्वायम्भू की परिक्रमा करते हैं।

- चन्द्र द्वारा पृथ्वी की एक परिक्रमा- एक मास।
- पृथ्वी द्वारा सूर्य की एक परिक्रमा- एक वर्ष।
- सूर्य की परमेष्ठी (आकाश गंगा) की एक परिक्रमा- एक मन्वन्तर।
- परमेष्ठी (आकाश गंगा) की स्वायम्भू (ब्रह्मलोक) की एक परिक्रमा- एक कल्प।
- स्वायम्भू मंडल ही ब्रह्मलोक है। स्वायम्भू का अर्थ स्वयं (भू) प्रकट होने वाला। यही ब्रह्माण्ड का उद्गम स्थल या केंद्र बिंदु माना जाता है।

अभी हम ''ब्रह्मा के 51वें वर्ष के 1 (पहले) दिन के 7वें मन्वन्तर के 28वें महायुग के चौथे युग (कलियुग)'' में मौजूद हैं।

हमारे पूर्वजों ने जहां खगोलीय गति के आधार पर काल का मापन किया, वहीं काल की अनंत यात्रा और वर्तमान समय तक उसे जोड़ना तथा समाज में सर्वसामान्य व्यक्ति को इसका ध्यान रहे इस हेतु एक अद्भुत व्यवस्था भी की थी, जिसकी ओर साधारणतया हमारा ध्यान नहीं जाता है।

हमारे यहां में कोई भी कार्य होता हो चाहे वह भूमिपूजन हो, वास्तुनिर्माण का प्रारंभ हो, गृहप्रवेश हो, जन्म, विवाह या कोई भी अन्य मांगलिक कार्य हो, वह करने के पहले कुछ पूजन संस्कार विधि करते हैं। उसमें सबसे पहले संकल्प कराया जाता है। यह संकल्प मंत्र यानी अनंतकाल से आज तक की समय और स्थान की स्थिति बताने वाला मंत्र है। इस दृष्टि से इस मंत्र के अर्थ पर हम ध्यान देंगे तो बात स्पष्ट हो जाएगी।-

संकल्प मंत्र में कहते हैं.

ऊँ अस्य श्री विष्णोराज्ञया प्रवर्तमानस्य ब्राहृणां द्वितीये परार्धे।

अर्थात : महाविष्णु द्वारा प्रवर्तित अनंत कालचक्र में वर्तमान ब्रह्मा की आयु का द्वितीय परार्ध। वर्तमान ब्रह्मा की आयु के 50 वर्ष पूरे हो गए हैं। श्वेत वाराह कल्पे कल्प यानि ब्रह्मा के 51वें वर्ष का पहला दिन है।

श्री वैवस्वतमन्वंतरे- अर्थात ब्रह्मा के दिन में 14 मन्वंतर होते हैं। उसमें सातवां मन्वंतर वैवस्वत मन्वंतर चल रहा है।

अष्टाविंशतितमे कलियुगे- एक मन्वंतर में 71 चतुर्युगी होती हैं, उनमें से 28वीं चतुर्युगी का कलियुग चल रहा है।

कलियुगे कलि प्रथमचरणे- कलियुग का प्रारंभिक समय है।

कलिसंवते या युगाब्दे- कलिसंवत या युगाब्द वर्तमान में 5104 चल रहा है।

जम्बु द्वीपे, ब्रह्मावर्त देशे, भरत खंडे- देश प्रदेश का नाम

अमुक स्थाने- कार्य का स्थान

अमुक संवत्सरे- संवत्सर का नाम

अमुक अयने- उत्तरायन/दक्षिणायन

अमुक ऋतौ- वसंत आदि छह ऋतु हैं

अमुक मासे- चैत्र आदि 12 मास हैं

अमुक पक्षे- पक्ष का नाम (शुक्ल या कृष्ण पक्ष)

अमुक तिथौ- तिथि का नाम

अमुक वासरे- दिन का नाम

अमुक समये- दिन में कौन सा समय

उपरोक्त में अमुक के स्थान पर क्रमशः नाम बोलने पड़ते हैं। जैसे अमुक स्थाने में जिस स्थान पर अनुष्ठान किया जा रहा है उसका नाम बोल जाता है। उदहारण के लिए मालव मण्डले (स्थाने), शरद ऋतौ आदि।

इस तरह अमुक व्यक्ति- अपना नाम, फिर पिता का नाम, गोत्र तथा किस उद्देश्य से कौनसा काम कर रहा है, यह बोलकर संकल्प करता है। इस प्रकार जिस समय संकल्प करता है, सृष्टि आरंभ से उस समय तक का स्मरण सहज व्यवहार में भारतीय पद्धति में इस व्यवस्था के द्वारा आया है।

दोष नहीं है मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली

भले ही कुछ लोग मांगलिक होने को लेकर बड़ा हव्वा बनाते हों लेकिन शास्त्रों के अनुसार मांगलिक होना कोई चिंता की वजह नहीं है। यदि आपके पुत्र या पुत्री की कुंडली मांगलिक है, तो घबराएं नहीं, शास्त्रों में मंगल दोष दूर करने के उपाय लिखित में उपलब्ध हैं। मांगलिक विचार का निर्णय बारीकी से किया जाना चाहिए क्योंकि शास्त्रों में मांगलिक दोष निवारण के तरीके उपलब्ध हैं। शास्त्र वचनों के जिस श्लोक के आधार पर जहां कोई कुंडली मांगलिक बनती है, वहीं उस श्लोक की परिहार (काट) के कई प्रमाण हैं। ज्योतिष और व्याकरण का सिद्धांत है कि पूर्ववर्ती कारिका से परवर्ती कारिका (बाद वाली) बलवान होती है। दोष के सम्बंध में परवर्ती कारिका ही परिहार है। इसलिए मांगलिक दोष का परिहार मिलता हो तो जरूर विवाह का फैसला किया जाना चाहिए। परिहार नहीं मिलने पर भी यदि मांगलिक कन्या का विवाह गैर मांगलिक वर से करना हो तो शास्त्रों में विवाह से पूर्व घट विवाह का प्रावधान है। मांगलिक प्रभाव वाली कुंडली से भयभीत होने की जरूरत नहीं है। यह दोष नहीं है बल्कि इसी मंगल के प्रभाव से जातक कर्मठ, प्रभावशाली, धैर्यवान तथा सम्मानीय बनता है।

घट विवाह है प्रभावी उपाय

कन्या की कुंडली में मांगलिक दोष का परिहार नहीं हो रहा हो तो उपाय के रुप में कन्या का प्रथम विवाह/सात फेरे किसी घट (घड़े) या वृक्ष के साथ कराए जाने का विधान है। इस प्रकार के उपाय के पीछे तर्क यह है कि मंगली दोष का मारक प्रभाव उस घट या वृक्ष पर होता है, जिससे कन्या का प्रथम विवाह किया जाता है। वर दूसरा पति होने के कारण उस प्रभाव से सुरक्षित रह पाता है। घट विवाह शुभ विवाह मुहूर्त और शुभ लग्न में पुरोहित द्वारा सम्पन्न कराया जाना चाहिए। कन्या का पिता पूर्वाभिमुख बैठकर अपने दाहिने तरफ कन्या को बिठाएं। कन्या का पिता घट विवाह का संकल्प ले। नवग्रह, गौरी गणेशादि का पूजन, शांतिपाठ इत्यादि करे। घट की षोडषोपचार से पूजा करें। शाखोच्चार, हवन, सात फेरे और विवाह की अन्य रस्म निभाएं। बाद में कन्या घट को उठाकर हृदय से सटाकर भूमि पर छोड़ दे जिससे घट फूट जाए। इसके बाद देवताओं का विसर्जन करें और ब्राह्मण को दक्षिणा दें। बाद में चिरंजीवी वर से कन्या का विवाह करें।

क्यों हो रहा है विवाह में विलंब

विवाह में विलंब होने के कई कारण होते हैं। उनमें से एक कारण कुंडली के ग्रहों को भी माना जाता है। कहते हैं कि जीवन में विवाह के योग बनते हैं परंतु जब वे किसी कारणवश टल जाते हैं तो फिर दूसरी बार योग **बनने में समय लगता है। आओ जानते हैं कि विवाह के** योग कब कब बनते हैं।

विवाह के योग : ज्योतिष मान्यता के अनुसार विवाह के **योग उम्र के 27, 29, 31, 33, 35 व 37वें वर्ष में बनते** कर दिया जाता था। लड़की की कुंडली में गुरु और पुरुष की कुंडली में शुक्र बनाता है विवाह के योग।

कैसे होता है विवाह में विलंब

- कई बार व्यक्ति विवाह करने से यूं ही इनकार कर देता है कि अभी नहीं करना विवाह। कई बार **अच्छे रिश्ते के चक्कर में योग भी को टाल दिया** जाता है। ऐसे भी होता है कि करियर के चक्कर में भी वह विवाह नहीं करता है।
- **ज्योतिष मानता है कि मांगलिक होना, पितृदोष** होना या काल सर्पदोष होना भी विवाह में विलंब का एक कारण है।
- **कहते हैं कि जब सूर्य, मंगल या बुध लग्न** या लग्न **के स्वामी पर दृष्टि डालते हों और गुरु** 12वें भाव में बैठा हो तो भी विवाह में देरी होती है।
- **प्रथम या चतुर्थ भाव में मंगल हो और सप्तम भाव** में शनि हो तो व्यक्ति की विवाह के प्रति उदासीनता के भाव रहते हैं।
- **प्रथम भाव, सप्तम भाव में और बारहवें भाव में** गुरु या शुभ ग्रह योग कारक न हो और चंद्रमा कमजोर हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- **सप्तम भाव में शनि और गुरु की युति तो** शादी **देर से होती है। कई बार यह भी देखा गया** है कि **दोनों में से कोई एक ग्रह हो तो भी विवाह में** अड़चन आती है।
- **सप्तम भाव में बुध और शुक्र** की युति हो तो भी **विवाह तय होने में काफी अड़**चने आती रहती है, **जिसके चलते विवाह में विलंब** हो जाता है।
- **चंद्र की राशि कर्क से गुरु** सप्तम हो तो विवाह में बाधाएं आती हैं।
- **सप्तम में त्रिक भाव का स्वामी** हो, कोई शुभ ग्रह **योगकारक नहीं हो तो विवाह** में बाधाएं आती हैं या विवाह देर से होता है।
- **यदि गुरु कमजोर या नीच** का होकर बैठा हो, शत्रु **भाव में या शत्रुओं के साथ बैठा हो तब भी विवाह** में अड़चने आती हैं।

जल्दी शादी करके के उपाय

- मंगल दोष है तो उसका उज्जैन के मंगलनाथ में उपाय करें। कुंभ विवाह करें।
- पितृदोष या कालसर्पदोष हैं तो उसका नासिक का त्र्यंबकेश्वर में जाकर उपाय करें।
- सप्तम भाव का दोष है तो उपके उपाय करना चाहिए।
- **लड़कों को शुक्र के उपाय करना चाहिए और** लड़कियों को गुरु के उपाय करना चाहिए।
- शनिवार को पीपल की पूजा करें।
- गुरुवार को केले के युगल जोड़ों की पूजा करें।
- ग्यारह शुक्रवार को माता पार्वती या दुर्गाजी के मंदिर में श्रीफल व चुनरी को अर्पित करें।
- पूर्णिमा के दिन वट वृक्ष की 108 परिक्रमा करें।
- गाय को घी की रोटी में गुड़ लपेटकर खिलाएं और हल्दी के पानी में आलू को उबालकर उसे ठंडा करके गाय को खिलाएं।
- गुरुवार और शुक्रवार को व्रत करें।
- अपने माथे पर केसर, हल्दी या चंदन का तिलक लगाएं।
- शुक्रवार के दिन दही स्नान करें, फिटकरी का कुल्ला करके सोएं।

कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में मदद करते हैं ये शुभ चिन्ह

इस त्योहार यदि आपको अपने घर में खुशियों का आगमन चाहिए, तो आपको हमारे शास्त्रों में बताए गए कुछ शुभ चिन्हों की जानकारी जरूर होनी चाहिए। ये ऐसे चिन्ह हैं जिन्हें यदि आपने घर के मुख्य द्वार पर लगा लिया, तो आपके घर में खुशियों को आने से कोई नहीं रोक सकेगा।

हमारे शास्त्रों में ऐसे कई चिन्हों का वर्णन किया गया है जिन्हें घर के मुख्य द्वार पर लगाने से सुख-समृद्धि बनी रहती है। यह चिन्ह घर आने वाली कई तरह की परेशानियों को दूर रखने में हमारी मदद करते हैं। आइए जानते हैं, ऐसे ही कुछ चिन्हों के बारे में, जिन्हें आपको अपने द्वार पर लगाना चाहिए।

स्वस्तिक

मुख्य द्वार पर स्वस्तिक बनाने से हमारे आसपास से नकारात्मक ऊर्जा दूर हो जाती है।

शुभ-लाभ

शास्त्रों के अनुसार, गणेशजी प्रथम पूज्य देवता हैं और शुभ व लाभ को उनका पुत्र माना गया है। इसीलिए शुभ-लाभ लिखना धनात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है। स्वस्तिक के साथ जब सिन्दूर से शुभ-लाभ लिखा जाता है, तब घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है।

श्रीगणेशजी

घर के मुख्य द्वार पर गणेशजी का चित्र लगाने से गणेशजी की कृपा बनी रहती है और धनधान्य की कमी नहीं होती।

पंचमुखी हनुमान

यदि आपका मुख्य द्वार दक्षिण मुखी है, तो दरवाजे पर पंचमुखी हनुमानजी का चित्र लगाकर शुभता बढ़ाई जा सकती है।

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल हुए सौरव गांगुली और अंजुम चोपड़ा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने भारतीय क्रिकेट के दो दिग्गजों पूर्व पुरुष कप्तान सौरव गांगुली और पूर्व महिला कप्तान अंजुम चोपड़ा को प्रतिष्ठित आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किया है। इनके साथ इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन को भी इस सम्मान से नवाजा गया। यह घोषणा शनिवार को स्कॉटलैंड के एडिनबर्ग में आयोजित एक भव्य समारोह में की गई।

आईसीसी के चेयरमैन जय शाह ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए कहा कि ये सम्मान उन खिलाड़ियों को दिया जाता है जिन्होंने अपने प्रदर्शन और योगदान से क्रिकेट को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। उन्होंने कहा, 'सौरव गांगुली, अंजुम चोपड़ा और केविन पीटरसन ने अपने-अपने देशों का शानदार नेतृत्व किया है। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होकर उनकी उपलब्धियां आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनेंगी।'

क्रिकेट जगत का बड़ा सम्मानः भारत के लिए गर्व का पल

आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने पर सौरव गांगुली ने खुशी जताते हुए कहा कि यह उनके क्रिकेट करियर के सबसे खास पलों में से एक है। गांगुली ने कहा, 'आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना मेरे लिए बेहद सम्मान की बात है। क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच अपना नाम देखना हमेशा मेरे लिए गर्व का विषय रहेगा। भारत का प्रतिनिधित्व करना मेरे लिए सौभाग्य रहा है और अब इस तरह सम्मानित होना बेहद विशेष अनुभव है।' उन्होंने आईसीसी चेयरमैन जय शाह का आभार जताते हुए कहा कि यह किसी भी क्रिकेटर के लिए सर्वोच्च सम्मान है। साथ ही उन्होंने भविष्य में भी क्रिकेट की सेवा करते रहने की इच्छा व्यक्त की।

भारतीय क्रिकेट को नई दिशा देने वाले कप्तान

सौरव गांगुली ने ऐसे समय भारतीय टीम की कमान संभाली थी जब मैच फिक्सिंग विवाद के कारण भारतीय क्रिकेट कठिन दौर से गुजर रहा था। उनकी आक्रामक कप्तानी और युवा खिलाड़ियों पर भरोसे ने टीम इंडिया को नई पहचान दिलाई। अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में गांगुली ने लगभग 15 वर्षों में 18,575 रन बनाए और बाद में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के अध्यक्ष भी रहे।

अंजुम चोपड़ा ने जताई खुशी

पूर्व भारतीय महिला कप्तान और मौजूदा क्रिकेट कमेंटेटर अंजुम चोपड़ा ने कहा कि बचपन से ही उनका सपना भारत के लिए खेलने का था और आज क्रिकेट के महान खिलाड़ियों के बीच सम्मानित होना उनके लिए बेहद गर्व की बात है।उन्होंने कहा, 'भारत की जर्सी पहनना मेरे लिए हमेशा गर्व का विषय रहा। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होना उन सभी लोगों के प्रयासों का सम्मान है जिन्होंने मेरे करियर को आकार देने में योगदान दिया। मैं उन सभी की आभारी हूं।'अंजुम चोपड़ा ने भारत के लिए 12 टेस्ट, 127 वनडे और 14 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले। वह महिला वनडे क्रिकेट में 1000 रन पूरे करने वाली पहली भारतीय महिला क्रिकेटर भी बनी थीं।

अर्जेंटीना छठी बार सेमीफाइनल में

स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया, एक्स्ट्रा टाइम में 2 गोल दागे, अब इंग्लैंड से मुकाबला

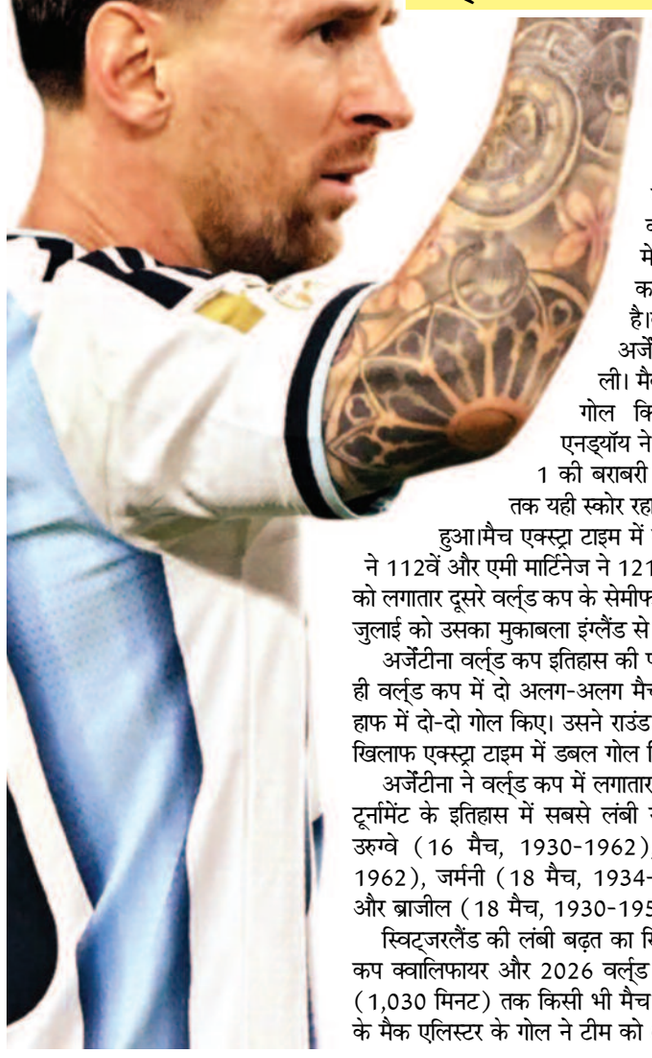

कैंसस, एजेंसी। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने फुटबॉल वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उसने आखिरी क्वार्टर फाइनल में स्विट्जरलैंड को 3-1 से हराया। लियोनेल मेसी की टीम छठी बार वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।कंसास सिटी स्टेडियम में अर्जेंटीना ने 10वें मिनट में बढ़त ले ली। मैक एलिस्टर ने मेसी के पास पर गोल किया। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय ने गोल कर स्विट्जरलैंड को 1-1 की बराबरी दिला दी। निर्धारित 90 मिनट तक यही स्कोर रहा। इंजरी टाइम में कोई गोल नहीं हुआ।मैच एक्स्ट्रा टाइम में गया। इसमें जूलियन अल्वारेज ने 112वें और एमी मार्टिनेज ने 121वें मिनट में गोल कर अर्जेंटीना को लगातार दूसरे वर्ल्ड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा दिया। अब 15 जुलाई को उसका मुकाबला इंग्लैंड से होगा।

अर्जेंटीना वर्ल्ड कप इतिहास की पहली टीम बन गई, जिसने एक ही वर्ल्ड कप में दो अलग-अलग मैचों के एक्स्ट्रा टाइम के एक ही हाफ में दो-दो गोल किए। उसने राउंड ऑफ 32 मैच में केप वर्डे के खिलाफ एक्स्ट्रा टाइम में डबल गोल किए थे।

अर्जेंटीना ने वर्ल्ड कप में लगातार 15वें मैच में गोल किया। इस टूर्नामेंट के इतिहास में सबसे लंबी गोल करने की श्रृंखला केवल उरुग्वे (16 मैच, 1930-1962), हंगरी (17 मैच, 1934-1962), जर्मनी (18 मैच, 1934-1958 और 1986-1998) और ब्राजील (18 मैच, 1930-1958) के नाम दर्ज है।

स्विट्जरलैंड की लंबी बढ़त का सिलसिला टूट गया। टीम वर्ल्ड कप क्वालिफायर और 2026 वर्ल्ड कप मैचों 17 घंटे 10 मिनट (1,030 मिनट) तक किसी भी मैच में पीछे नहीं हुई थी। अर्जेंटीना के मैक एलिस्टर के गोल ने टीम को 0-1 से पीछे कर दिया।

90 मिनट तक स्कोर बराबर, इंजरी टाइम गोल रहित रहा

मैच के निर्धारित 90 मिनट तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर रहीं। रेफरी ने 8 मिनट का इंजरी टाइम दिया, लेकिन इसमें भी गोल नहीं आया। इंजरी टाइम के 8वें मिनट में स्विट्जरलैंड के गोलकीपर ग्रेगर कोबेल ने शानदार सेव किया। कोबेल ने कॉर्नर से लिसेंड्रो मार्टिनेज की किक को रोकने के लिए शानदार डाइव लगाई। उन्होंने गेंद को बहुत देर से देखा था। 72वें मिनट में स्विट्जरलैंड के फॉरवर्ड ब्रील एम्बोलो को मैदान से बाहर भेज दिया गया। वीडियो रीव्यू से पता चला कि उन्होंने ऐसा दिखाने की कोशिश की थी कि वे किसी टैकलिंग की वजह से गिरे, जबकि ऐसा कुछ नहीं हुआ। हाफ टाइम के बाद स्विस टीम ने डैन एनड्योॅय के गोल के दम पर बराबरी हासिल कर ली। टीम ने गोल करने के कई प्रयास किए। आखिरकार, रेड जर्सी की मेहनत रंग लाई। 67वें मिनट में डैन एनड्योॅय बाई ओर से तेजी से आगे बढ़े और रिकार्डो रोड्रिग्ज के साथ पास का आदान-प्रदान किया और एमिलियानो मार्टिनेज को पछाड़ते हुए बेहद कंट्रोल गोल किया। डिफेंडिंग चैंपियन अर्जेंटीना ने मैच की शुरुआत में ही 1-0 की बढ़त ले ली। 10वें मिनट में एलिस मैक एलिस्टर ने लियोनेल मेसी के शानदार पास पर गोल दागा। अर्जेंटीना ने मौजूदा एडीशन में अपना सबसे तेज गोल किया है। मेसी ने पेनल्टी कॉर्नर पर पास दिया था। इस पर एलिस्टर ने हेडर लगाकर गोल दागा। मेसी ने 10वां गोल असिस्ट किया है, जबकि एलिस्टर ने लगातार दूसरे वर्ल्ड कप एडीशन में गोल स्कोर किया है। उन्होंने 2022 में पोलैंड के खिलाफ ग्रुप मैच में गोल किया था।

इंग्लैंड 8 साल बाद सेमीफाइनल में पहुंचा

- नॉर्वे का सफर समाप्त, हालैंड नहीं कर पाए गोल

फीफा वर्ल्ड कप 2026 में को इंग्लैंड ने नॉर्वे को हराकर 8 साल बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई। जूड बेलिंगहैम ने एक्स्ट्रा टाइम के तीसरे मिनट में गोल करके इंग्लैंड को नॉर्वे पर 2-1 से जीत दिलाई। इससे पहले इंग्लैंड 2018 सेमीफाइनल में पहुंचा था। इंग्लैंड के लिए दोनों गोल बेलिंगहैम ने किए। उन्होंने पहले हाफ के आखिर में पहला गोल करके स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

रियल मैड्रिड के स्टार के इस फुटबॉल वर्ल्ड कप में साथी खिलाड़ी हैरी केन के बराबर छह गोल हो गए हैं। वह फ्रांस के किलियन एम्बाप्पे और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी के 8-8 गोल से पीछे हैं। बेलिंगहैम ने राउंड ऑफ 16 में 2 गोल किए थे, जिससे इंग्लैंड ने सह-मेजबान मेक्सिको को हराया था। 1966 वर्ल्ड कप का जीतने वाले इंग्लैंड का सेमीफाइनल में अर्जेंटीना या स्विट्जरलैंड से सामना होगा।

एंड्रियास श्जेल्डरुप ने 36वें मिनट में नॉर्वे के लिए गोल किया। 6 फुट 5 इंच के स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड की करिश्माई प्रदर्शन के दमपर नॉर्वे की टीम पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची और दुनिया को हैरान कर दिया। मैनचेस्टर सिटी के स्टार खिलाड़ी हालैंड ने इस टूर्नामेंट में सात गोल किए थे। क्वार्टर फाइनल में पहली बार ऐसा हुआ कि वह वर्ल्ड कप में गोल नहीं कर पाए। एक्स्ट्रा टाइम के दूसरे हाफ में जॉर्जन स्ट्रैंड लार्सन ने उनकी जगह ली। नॉर्वे 56वें मिनट में लगभग 2-1 से आगे हो गया था जब कॉर्नर किक के बाद टोरब्योर्न हेगेम ने गोलकीपर जॉर्डन पिकफोर्ड को छकाते हुए रिबाउंड शॉट लगाकर गोल किया। वीडियो रिव्यू के बाद बॉक्स में हालैंड के फाउल के कारण गोल को नामंजूर कर दिया गया।

अर्जेंटीना के पूर्व कप्तान का हुआ निधन, फुटबॉल जगत में शोक

ब्यूनस आयर्स। अर्जेंटीना के महान फुटबॉलर और पूर्व कप्तान एंटोनियो उबाल्डो रैटीन का 89 साल की उम्र में निधन हो गया। उनके निधन से अर्जेंटीना और विश्व फुटबॉल जगत में शोक की लहर है। रैटीन की गिनती देश के सबसे बेहतरीन मिडफील्डरों और कप्तानों में की जाती थी। उन्होंने 1959 से 1969 तक अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम का प्रतिनिधित्व किया और 1962 तथा 1966 के फीफा विश्व कप में भी हिस्सा लिया।

अर्जेंटीना फुटबॉल संघ (एएफए) ने उनके निधन पर गहरा दुख जताया है। एएफए ने एक बयान में कहा, अर्जेंटीना फुटबॉल एसोसिएशन अपने अध्यक्ष क्लाउडियो तापिया के जरिए एंटोनियो उबाल्डो रैटीन के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करता है। वे अर्जेंटीना की राष्ट्रीय टीम के इतिहास के सबसे बड़े प्रतीकों में से एक और अर्जेंटीना फुटबॉल के आइकन थे, जिनका 89 साल की उम्र में निधन हो गया। रैटीन 1966 में इंग्लैंड में हुए विश्व कप में अर्जेंटीना के कप्तान थे और एक ऐसी घटना के मुख्य पात्र थे जो हमेशा के लिए विश्व फुटबॉल की यादों में बस गई।

इन पांच कारणों के चलते भारतीय टीम को मिली हार

1600 दिन की बादशाहत खत्म

नई दिल्ली, एजेंसी। आयरलैंड के बाद इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में भी भारतीय टीम को एक जीत तक नसीब नहीं हो सकी। पांचवें टी20 में इंग्लैंड ने 56 रनों से जीत दर्ज करने के साथ ही मेजबान टीम ने सीरीज को 4-0 से अपने नाम कर लिया। टी20 विश्व कप की चैंपियन भारतीय टीम ने कप्तानी में बदलाव किया था और सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को कप्तानी सौंपी थी। लेकिन श्रेयस कप्तान के तौर पर अब तक विफल रहे हैं और शुरुआती सात मैचों में एक भी जीत दर्ज नहीं कर पाए हैं।

इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज में मिली हार के साथ ही भारतीय टीम की फरवरी 2022 से चली आ रही टी20 क्रिकेट की नंबर-1 बादशाहत भी समाप्त हो गई। इंग्लैंड ने सीरीज 4-0 से अपने नाम करते हुए आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान हासिल कर लिया, जबकि भारत दूसरे स्थान पर खिसक गया।

इस हार का असर सिर्फ मैच या सीरीज तक सीमित नहीं रहा। आयरलैंड के खिलाफ 0-2 और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार के बाद भारत आईसीसी टी20 रैंकिंग में शीर्ष स्थान गंवा बैठा। भारतीय टीम करीब 1600 दिनों तक दुनिया की नंबर-1 टी20 टीम रही, लेकिन अब यह स्थान इंग्लैंड ने अपने नाम कर लिया। इंग्लिश टीम ने शानदार प्रदर्शन के दम पर न सिर्फ सीरीज में क्लीन स्वीप किया, बल्कि टी20 क्रिकेट में नई नंबर-1 टीम बनने का गौरव भी हासिल कर लिया।

वैभव को बाहर करना नहीं आया काम

इंग्लैंड के खिलाफ पांचवें और आखिरी टी20 मैच में भारतीय क्रिकेट टीम ने एक ऐसा हैरान करने वाला फैसला लिया था। इस मुकाबले में भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने युवा सनसनी वैभव सूर्यवंशी को सिर्फ तीन मैच खिलाने के बाद प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया। उनकी जगह अनुभवी खिलाड़ी संजू सैमसन की एकादश में वापसी हुई, जिन्हें पहले सूर्यवंशी के लिए ही टीम से ड्रॉप किया गया था। सूर्यवंशी ने ब्रिटेन दौरे के भारत दौरे पर सात में से तीन मैच खेले और इंग्लैंड के खिलाफ अपनी तीन छोटी पारियों में कुल 42 रन बनाए। तेज स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी करने के बावजूद, वैभव अपनी तीन पारियों में इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों की गेंदों से मिलने वाले अतिरिक्त उछाल का सामना नहीं कर पाए। सैमसन को वैभव की जगह पांचवें टी20 मैच में मौका दिया गया, लेकिन उनका बल्ला इस मैच में भी नहीं चला। सैमसन 14 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 27 रन बनाकर आउट हुए।

इस वजह से करना पड़ा हार का सामना

1. **शीर्ष क्रम की नाकामी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम का शीर्ष क्रम बुरी तरह से फेल रहा। अभिषेक शर्मा ने शुरुआती दो टी20 में रन बनाए, लेकिन अगले तीन मुकाबलों में उनका बल्ला खामोश रहा। संजू सैमसन रनों के लिए संघर्ष करते नजर आए, तो वैभव सूर्यवंशी इस सीरीज में मिले तीन मौकों को भुनाने में पूरी तरह से नाकाम रहे। शीर्ष क्रम की नाकामी का असर मध्यक्रम के बल्लेबाजों पर साफतौर पर नजर आया।
2. **खोखला नजर आया मध्य क्रम:** टीम इंडिया का मध्य क्रम इस टी20 सीरीज में पूरी तरह से खोखला नजर आया। ईशान किशन सीरीज के आखिरी टी20 मैच को छोड़कर बाकी चार मुकाबलों में रनों के लिए जूझते दिखाई दिए। यही हाल तिलक वर्मा का रहा। खुद कप्तान श्रेयस अय्यर भी अपने नाम के अनुरूप निरंतरता के साथ अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके।
3. **लगातार बल्लेबाजी क्रम से छेड़छाड़ पड़ी भारी:** इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में भारतीय टीम को बल्लेबाजी क्रम से लगातार छेड़छाड़ करना महंगा पड़ा। तिलक वर्मा और शिवम दुबे के बल्लेबाजी क्रम में बदलाव किया गया। तीसरे टी20 में तो तिलक और शिवम से ऊपर बल्लेबाजी के लिए अक्षर पटेल तक को भेजा गया। अक्षर पटेल की भी एक स्थान पक्का नजर नहीं आया।
4. **तेज गेंदबाज रहे विफल:** इंग्लैंड की मददगार परिस्थितियों में भारतीय तेज गेंदबाज बुरी तरह से फ्लॉप रहे। भारत के मुख्य तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह पांच मुकाबलों में सिर्फ चार विकेट ही निकाल सके और उनकी इकोनॉमी 9.47 की रही। ऐसा ही कुछ हाल हर्षित राणा का भी रहा, जिन्होंने 10 की इकोनॉमी से रन देने के बाद महज तीन विकेट निकाले। प्रसिद्ध कृष्णा सिर्फ एक ही विकेट चटका सके और उनकी इकोनॉमी भी 9 के ऊपर की रही। युवा गेंदबाज प्रिंस यादव ने भी 10.72 की इकोनॉमी से रन खर्च किए। इंग्लैंड में भारत को जसप्रीत बुमराह की कमी साफतौर पर खली। प्रिंस यादव के लिए तो टी20 अंतरराष्ट्रीय में करियर की शुरुआत ही बेहद निराशाजनक रही है। वह अंबाती रायुडू के बाद दूसरे ऐसे भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने अपने शुरुआती चारों टी20 मैच गंवाए हैं। प्रिंस को आयरलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में डेब्यू का मौका मिला था।
5. **अय्यर की खराब कप्तानी:** श्रेयस अय्यर की कप्तानी इंग्लैंड के खिलाफ टी20 सीरीज में बेहद साधारण नजर आई। गेंदबाजों के फेरबदल के साथ-साथ फील्डिंग सेटअप में अय्यर बुरी तरह फेल नजर आए। कप्तानी का दबाव उनकी बल्लेबाजी पर भी कुछ हद तक दिखाई दिया। इसके साथ ही वह हेड कोच गौतम गंभीर संग मिलकर सही टीम संयोजन उतारने में भी नाकाम रहे। अय्यर की कप्तानी पर भी लगातार सवाल खड़े होते रहे हैं। अय्यर पहले ऐसे भारतीय कप्तान हैं जिन्होंने शुरुआती सात टी20 मुकाबले गंवाए हैं।

क्या बीसीसीआई लेगा कड़ा फैसला?

गौतम गंभीर जब से भारतीय टीम के मुख्य कोच बने हैं, तभी से टीम का प्रदर्शन उतार-चढ़ाव भरा है। भारत ने गंभीर के नेतृत्व में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 और टी20 विश्व कप 2026 का खिताब अपने नाम किया था। लेकिन टेस्ट प्रारूप में उसका प्रदर्शन निरंतर खराब रहा है। भारत को न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ घर में टेस्ट सीरीज में हार मिली थी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी भी भारत ने गंवा दी थी। पिछले साल इंग्लैंड के खिलाफ टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज 2-2 से ड्रॉ कराने में सफल रही। अब तक सीमित ओवर में भारत का दबदबा नजर आ रहा था, लेकिन पहले आयरलैंड और अब इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली हार ने टी20 टीम में भी कमियों को उजागर करके रख दिया है। आने वाले दिनों में भारत को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है और फिर सितंबर-अक्तूबर में एशियाई खेलों में भी उतरना है। जिस हिसाब से टीम खेल रहे हैं, उसके लिए आने वाले दिन काफी चुनौतीपूर्ण रहने वाले हैं। हाल ही में भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सचिव देवजीत सैकिया ने कहा था कि हम सीरीज खत्म होने के बाद भारतीय टीम के प्रदर्शन की समीक्षा करेंगे। यह भी खबर है कि टीम के फील्डिंग कोच टी. दिलीप को बाहर का रास्ता दिखाया जा सकता है और उनके कार्यकाल को विस्तार नहीं दिया जाएगा। जाहिर है कि गंभीर और श्रेयस भी बोर्ड के रडार पर होंगे। अब देखना दिलचस्प होगा कि लगातार दो हार के बाद क्या बीसीसीआई कोई कड़ा फैसला लेगा या इसी कोचिंग स्टाफ और टीम को वापसी के लिए थोड़ा और समय देगा।

विश्वकप के बीच बुरी खबर, अफ्रीका के एडम्स का निधन

जोहानिसबर्ग। फीफा विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका का प्रतिनिधित्व करने वाले मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की आयु में निधन हो गया। उनके निधन की पुष्टि शनिवार को दक्षिण अफ्रीका के खेल, कला एवं संस्कृति मंत्री गेटन मैकेंजी ने की। एडम्स मौजूदा फीफा विश्व कप के लिए दक्षिण अफ्रीका की टीम में शामिल थे। एडम्स ने दक्षिण अफ्रीका को पहली बार विश्व कप के नॉकआउट चरण में पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई थी। उनके निधन के कारण का अभी खुलासा नहीं हुआ हैमैकेंजी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, गहरे सदमे और भारी मन से मुझे यह जानकारी मिली कि मामेलोडी सनडाउन्स और बाफाना बाफाना के मिडफील्डर जेडन एडम्स का 25 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। दक्षिण अफ्रीकी फुटबॉल ने अपने सबसे प्रतिभाशाली युवा खिलाड़ियों में से एक को खो दिया है और पूरा देश उनके परिवार, साथियों तथा लाखों प्रशंसकों के साथ शोक में डूबा है। जेडन की मौत के कारण की अभी पुष्टि नहीं हुई है। मैं मीडिया और आम जनता से अपील करता हूं कि वे संयम और संवेदनशीलता बरतें तथा किसी भी तरह की अटकलों से बचें।